संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 105
पृष्ठ 8
शुक्रवार
02 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– डांट की जगह प्यार, मोबाइल...

विचार– एंजेल चकमा की मौत, देश...

खेल– टी20 विश्वकप के लिए...

### 'विकसित भारत' के लिए सीएम योगी का 'यूपी मॉडल', बोले-

# पीएम मोदी के नेतृत्व में बदल देंगे तस्वीर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राज्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश में लागू विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों, जिनमें गरीब, किसान, युवा और महिलाएं शामिल हैं, तक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पहुंच रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में श्नया उत्तर प्रदेशश 'विकसित भारत' के विकास पथ में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य में लागू विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं से उत्तर प्रदेश के लोगों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। राज्य की विकास यात्रा पर भरोसा जताते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2026 तक, दोहरे इंजन वाली सरकार की विकासोन्मुखी नीतियां उत्तर प्रदेश को समृद्धि, सुशासन और प्रगति के नए मानक स्थापित करने में सक्षम बनाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि 2026 तक, दोहरे इंजन वाली सरकार की विकासोन्मुखी नीतियां उत्तर प्रदेश को समृद्धि, सुशासन और सर्वांगीण प्रगति के नए मानक स्थापित करने में सक्षम बनाएंगी। मंगलवार को योगी आदित्यनाथ ने राज्य में निवेश और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग का आह्वान करते हुए कहा कि 2025 को प्रौद्योगिकी और डेटा में नवाचार के लिए याद किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के नागरिकों को लिखे एक खुले पत्र में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लखनऊ और नोएडा में एआई सिटी स्थापित करने की तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एआई प्रज्ञा पहल के तहत 10 लाख नागरिकों को एआई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एक्स पर साझा किए गए पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा, "यह अंग्रेजी वर्ष 2026 में प्रवेश करने का समय है। वर्ष 2025 को प्रौद्योगिकी, एआई और डेटा में नवाचार के नए मानदंड स्थापित करने के लिए याद किया जाएगा। उत्तर प्रदेश दूरदर्शी विकास के नए मानक स्थापित कर रहा है। राज्य में सुशासन ने श्यूपी ब्रांडश को विश्व स्तर पर सशक्त बनाया है। उत्तर प्रदेश अब निवेशकों के लिए विश्वास का राज्य बन गया है।" मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा, "लखनऊ और नोएडा में एआई सिटी स्थापित करने की तैयारियां चल रही हैं। जेवर में 3,700 करोड़ रुपये की लागत से एक सेमीकंडक्टर इकाई का निर्माण किया जा रहा है। श्स्वदेशी केंद्रश और सुरक्षित डेटा पर केंद्रित डेटा सेंटर नीति की सफलता अब दिखने लगी है। पांच हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्कों का व्यावसायिक उपयोग शुरू हो चुका है। डेटा सेंटर क्षेत्र में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करने का लक्ष्य है।"

### राहुल गांधी की भगवान राम से तुलना, भाजपा का कांग्रेस पर वार

# यह करोड़ों हिंदुओं का घोर अपमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा प्रवक्ता सीआर केशवन ने गुरुवार को महाराष्ट्र कांग्रेस विधायक नाना पाटोले की लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी और भगवान राम की तुलना करने वाली टिप्पणी को हिंदू भावनाओं का घोर अपमान बताया। नाना पाटोले ने कहा कि राहुल गांधी ''न्याय के लिए लड़ रहे हैं'', ठीक वैसे ही जैसे भगवान राम ने पीड़ितों के लिए काम किया। एक पोस्ट में भाजपा नेता ने नाना पाटोले से पूछा कि राहुल गांधी ने अभी तक अयोध्या राम मंदिर का दर्शन क्यों नहीं किया है। सीआर केशवन ने एक्स पर लिखा कि नाना पाटोले द्वारा भगवान राम की तुलना राहुल गांधी से करना करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं का घोर अपमान है, जिसे अक्षम्य माना जा सकता है। इससे पहले, माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा दिव्य राम मंदिर जाकर देश के कल्याण के लिए प्रार्थना करने के बाद, नाना पाटोले ने अयोध्या राम मंदिर के शुद्धिकरण की मांग करके शर्मनाक हरकत की थी। नाना पाटोले की ये शर्मनाक टिप्पणियां और कुटिल मानसिकता अक्षम्य और घोर निंदनीय हैं। क्या नाना पाटोले राहुल गांधी से ये पूछने की हिम्मत करेंगे कि उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा समारोह, नाच गान कार्यक्रम का मजाक क्यों उड़ाया या राहुल गांधी अभी तक अयोध्या राम मंदिर क्यों नहीं गए? बुधवार को राहुल गांधी के राम मंदिर न जाने के सवाल पर नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस भगवान राम का काम कर रही है। नाना पटोले ने एएनआई से कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी भगवान श्री राम का काम कर रहे हैं। आप जानते हैं कि भगवान श्री राम ने शोषितों, पीड़ितों और वंचितों के लिए काम किया। हमारे नेता राहुल गांधी पूरे देश में वही काम कर रहे हैं; देश की जनता को न्याय दिलाने की उनकी लड़ाई शुरू हो चुकी है। जब राम लल्ला मंदिर में ताला लगा था, तब हमारे दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने द्वार खोलने का आदेश दिया था। जब राहुल गांधी अयोध्या जाएंगे, तो वे वहां पूजा–अर्चना करेंगे। इससे पहले भी राहुल गांधी की तुलना हिंदू देवता से करने पर नाना पटोले की आलोचना हो चुकी है।

## RSS के 100 साल: 'वीरता नहीं जिम्मेदारी', मोहन भगवत का कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने कहा है कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर को ष्वीरताष का कार्य नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का क्षण समझा जाना चाहिए। एक हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए भगवत ने कहा कि संघ के कार्य के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं, इसलिए देशभर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि शताब्दी समारोह शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''यह वीरता नहीं है।'' संगठन की उत्पत्ति को याद करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने रक्त से इस संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में संकट दिखाई दे रहा है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल समस्याओं पर चर्चा करना समाधान नहीं है। भगवत ने कहा कि जोर समाधान खोजने पर होना चाहिए, न कि केवल चर्चाओं पर। अपने संबोधन में एक कहानी सुनाते हुए, भागवत ने हिंदू समाज की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला और लोगों से आत्मनिरीक्षण करने का आग्रह किया। उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से अपने मन से भेदभाव को दूर करने और अधिक सामाजिक सद्भाव की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने मन से भेदभाव को दूर करना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए। भाषाई विविधता पर जोर देते हुए, भागवत ने कहा कि भारत में बोली जाने वाली सभी भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं और समान सम्मान की पात्र हैं।

# जानलेवा कफ सिरप पर केंद्र का बड़ा एक्शन, बिक्री को लेकर अब आएंगे नये नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कफ सिरप की बिक्री पर सख्त नियम लागू करने के लिए संशोधन प्रस्तावित किए हैं। केंद्र सरकार ने औषधि नियम–1945 में एक महत्वपूर्ण संशोधन का मसौदा जारी किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अनुसूची 'के' से 'सिरप' शब्द को हटाने का प्रस्ताव दिया है। यह कदम औषधि संबंधी नियमों को स्पष्ट और प्रभावी बनाने के लिए उठाया गया है, ताकि जनहित की रक्षा हो सके। जनता से 30 दिनों के भीतर सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि इन नियमों को औषधि (संशोधन) नियम, 2025 कहा जा सकता है। ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे। औषधि नियम, 1945 में, अनुसूची श्केश में, क्रमांक 13 पर, श्दवाओं का वर्गश कॉलम के अंतर्गत, प्रविष्टि संख्या 7 में, सिरप शब्द को हटा दिया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कुछ नियमों में संशोधन के लिए एक मसौदा अधिसूचना जारी की है और जनता से आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। सरकार ने यह मसौदा औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 के तहत जारी किया है।

औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श के बाद इन प्रस्तावित परिवर्तनों को सार्वजनिक किया गया है। दवा एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 (23 ऑफ 1940) की धारा 12 की उपधारा (1) और धारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार द्वारा औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श के बाद, औषधि नियम, 1945 में आगे संशोधन करने हेतु प्रस्तावित कुछ नियमों का निम्नलिखित मसौदा, इससे प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त मसौदा नियमों पर भारत के राजपत्र की प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तिथि से तीस दिनों की अवधि की समाप्ति के बाद विचार किया जाएगा।

## ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी मामले में चार नेपाली नागरिकों सहित पांच गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम पुलिस ने व्हाट्सऐप और फर्जी एप्लिकेशन का इस्तेमाल करके ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी करने के आरोप में चार नेपाली नागरिकों सहित पांच साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान नेपाली नागरिक शेर बहादुर कार्की, मिलन थापा, धनंजय राय और मनीष के रूप में हुई है जबकि पांचवा आरोपी वीरेंद्र पाल सिंह पंजाब का रहने वाला है। उसने बताया कि कथित अपराध में इस्तेमाल किए गए सात मोबाइल फोन, 20 एटीएम कार्ड, 18 चेक बुक और चार बैंक पासबुक भी जब्त किये गए हैं। पुलिस के मुताबिक एक नवंबर 2025 को एक स्थानीय व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई कि उसे व्हाट्सऐप ग्रुप और फर्जी ऐप के माध्यम से ठगा गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक उसे शेयर कारोबार और आईपीओ व्यापार में निवेश करके मुनाफा कमाने का प्रलोभन दिया गया था।

## देश में जल्द चलेगी बुलेट ट्रेन, अश्विनी वैष्णव बोले– टिकट खरीद लीजिए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे के इतिहास में जल्द ही एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज गुरुवार को यह जानकारी दी। रेल मंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि 15 अगस्त 2027 को देश को पहली बुलेट ट्रेन मिल जाएगी। अश्विनी वैष्णव ने मजाकिया लहजे में कहा कि आप अभी से बुलेट ट्रेन की टिकट खरीद लीजिए, अगले साल बुलेट ट्रेन भी आ जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजना को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए सरकार पूरी गंभीरता से काम कर रही है। रेल मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पूरी टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन पूरा हो गया है। इसका पहला रूट गुवाहाटी–कोलकाता प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले दिनों में इस रूट पर पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह रेलवे के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। वैष्णव ने आगे कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यात्रियों को लंबी दूरी की रात की यात्राओं पर वर्ल्ड–क्लास सुविधाएं, सुरक्षा और एक आधुनिक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। गौरतलब हो, पिछले साल नवंबर में ही प्रधानमंत्री मोदी ने अपने गुजरात दौरे के दौरान मुंबई–अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति का भी जायजा लिया था। इसके लिए पीएम मोदी सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने काम में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत भी की थी। इससे जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें पीएम मोदी सूरत स्टेशन पर काम की बारीकी से जांच करते हुए नजर आए। इस दौरान उन्होंने इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने पूछा कि काम में किसी तरह की परेशानी तो नहीं आ रही है और प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए किस तरह से काम किए जा रहे हैं?

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज

कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान 2026

हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं में यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान को प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 - 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2026 तक भेजें। 2023, 2024, 2025 तक की रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएँ पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि 1 फरवरी 2026 है।

पता–'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए,अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

## कोहरे में बाइक फिसलने से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

प्रयागराज। कोतवाली क्षेत्र के भोगवारा अमिलिहा गांव निवासी पवन प्रजापति (29) की बुधवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। पवन मुंबई में रहकर वेल्डिंग का काम करते थे और हाल ही में भाई की मौत की सूचना पर घर आए थे। जानकारी के अनुसार पवन का छोटे भाई राम अचल 15 दिसंबर को ट्रेन की चपेट में आ गया था। जिससे उसकी मौत हो गई थी। सूचना मिलते ही पवन घर आ गया। 24 दिसंबर की शाम करीब सात बजे वह अपने गांव के मित्र मुन्नीलाल के साथ बाइक से पास के वरुणा बाजार में सामान खरीदने गया था। सामान लेकर लौटते समय वरुणा बाजारदृउग्रसेनपुर मार्ग पर मधुपुर मजरे के सामने घना कोहरा होने की वजह से उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पवन को गंभीर हालत में एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान बुधवार को पवन ने दम तोड़ दिया।

## मधुमक्खी के हमले में कई लोग हुए जख्मी

प्रयागराज। मजरा चौहान का पूरा गांव में मंगलवार को कुछ लोग अलाव जलाकर बैठे थे। पास में मधुमक्खी का छत्ता लगा था। किसी पक्षी ने छत्ते में चोंच मार दी। इसके बाद मधुमक्खियों का झुंड लोगों पर हमलावर हो गया। मुधमक्खियों के हमले से अफरातफरी मच गई। इसमें दीपू मिश्र, शेफाली, प्रिया, मानस, आकाश पांडेय, दीपक मिश्र, प्रदीप समेत कई लोग जख्मी हो गए।

## बना पांटून पुल, आसान हुआ सफर

प्रयागराज। करीब दो माह की देरी के बाद बुधवार को डेंगुरपुरदृधनतुलसी गंगा घाट पर निर्माणाधीन पांटून पुल को आवागमन के लिए खोल दिया गया। पुल शुरू होने से क्षेत्रीय लोगों को आवागमन में राहत मिली है। हालांकि पांटून पुल पर चेकर्ड प्लेट बिछाने और मिट्टी डालने का कार्य अभी शेष है। लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता वीबी सिंह ने बताया कि एक सप्ताह के भीतर पुल निर्माण से जुड़े शेष कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। इसके बाद भारी वाहनों के लिए भी पुल खोल दिया जाएगा। पांटून पुल पर आवागमन शुरू होने की सूचना पर क्षेत्र के समाजसेवी संजय शुक्ल, विपिन पांडेय, ज्ञान दुबे ने खुशी जाहिर की है।

## कोर्ट के आदेश पर छह लोगों पर दहेज प्रताड़ना की एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। क्षेत्र के बारी गांव की रीता देवी पत्नी बच्चू लाल का आरोप है कि ससुराली ढाई लाख रुपये नकद, बुलेट और चेन की मांग करने लगे। आरोप है की मांग पूरी

न होने पर उन्हें प्रताड़ित किया जाता था। लगभग सात माह पूर्व विवाहिता को पीटकर ससुरालियों ने घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता ने फाफामऊ थाने में तहरीर दी लेकिन पुलिस ने एफआईआर नहीं दर्ज की। मजबूर होकर उन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। न्यायालय के आदेश पर सोमवार को पुलिस ने पति बच्चू लाल, जेठानी उर्मिला, ननद सहित छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

## कपड़ा कारोबारी से हुई लूट में दो आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। नवाबगंज पुलिस व एसओजी गंगानगर की संयुक्त टीम ने बुधवार को लगोपालगंज के कपड़ा व्यापारी से हुई लूट का खुलासा करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से लूट की रकम, बाइक और अवैध असलहा बरामद हुआ है। पुलिस ने खुलासा किया है कि इस लूट की साजिश जेल में रची गई थी। 26 दिसंबर को लालगोपालगंज के दानियालपुर निवासी कपड़ा कारोबारी दिलीप केसरवानी के घर में घुसकर तीन बदमाशों ने तमंचे के बल पर 90 हजार रुपये लूट लिए थे। सूचना पर पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार भी घटना स्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने टीमें गठित कर वारदात के खुलासे के लिए सप्ताहभर का समय दिया था। पुलिस टीम ने बुधवार को शृंग्वेरपुर–कौशाम्बी हाईवे की सर्विस रोड पर पटना उपरहार गांव के पास अंकित गौतम उर्फ अंकित हरिजन निवासी कटरा कौड़िहार और छैला बाबू निवासी बरेज, नवाबगंज को गिरफ्तार किया। बदमाशों के पास से दो अवैध तमंचे, कारतूस और लूट के 30,980 रुपये बरामद हुए। साथ ही घटना में इस्तेमाल की गई पल्सर बाइक भी पुलिस ने जब्त की है।

## स्वर्णकार पर अंगूठी चोरी का आरोप, कोर्ट के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के देवनगर कॉलोनी निवासी हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता पूजा सिंह के आरोप पर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर स्वर्णकार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अधिवक्ता पूजा सिंह का आरोप है कि उन्होंने स्वर्णकार नितिन सोनी सरायतकी, छतनाग रोड, झूंसी के यहां 30 जून 2025 की शाम अपनी चार सोने की अंगूठी का रखरखाव व ठीक करवाने के लिए दिया था। आरोप है कि अंगूठी ठीक करने के नाम पर स्वर्णकार नितिन सोनी ने उनकी दो अंगूठी चोरी कर ली। बची हुई दो अंगूठी चुपके से मुझे पर्स में डाल कर दे दिया। महिला को घर पहुंचने पर इस बात का पता चला तो उन्होंने तत्काल स्वर्णकार नितिन सोनी को फोन कर पूछा तो उसने चारों अंगूठी देने की बात कही। महिला अधिवक्ता ने दुकान पर अपने पति के साथ पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज चेक कराया तो साफतौर पर दिखा कि नितिन सोनी ने पर्स में दो अंगूठी डाली थी, जबकि दो अन्य अंगूठी आलमारी में रख लिया। दुकान मालिक के सीसीटीवी फुटेज में चोरी पकड़ी जाने पर नितिन सोनी से अंगूठी वापस मांगे जाने पर बदसलूकी की। दुकानदार की धमकी पर महिला अधिवक्ता पति के साथ घर वापस लौट गईं। घटना की जानकारी पीआरवी को भी दी गई। बाद में उन पर समझौते का भी दबाव डाला गया। पीड़िता अधिवक्ता पूजा ने घटना की शिकायत झूंसी पुलिस से भी की लेकिन एफआईआर नहीं दर्ज की गई। आठ जुलाई 2025 को पुलिस कमिश्नर को भी लिखित शिकायत भेजी गई। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। महिला अधिवक्ता ने कोर्ट में याचिका दायर की, अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी स्वर्णकार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

# साल के पहले दिन मंदिरों और पार्कों में उमड़ी भीड़, रात से ही शुरू हो गया था धमाल

प्रयागराज। नए साल के पहले दिन शहर पार्कों और मंदिरों में काफी भीड़ रही। संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान जी का दर्शन करने के लिए सुबह ही भक्तों की लंबी कतार लगी रही। यमुना तट पर स्थित श्री मनकामेश्वर मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। इसके अलावा चंद्रशेखर आजाद पार्क, नया यमुना पुल भी लोगों से गुलजार रहा।

नए साल के पहले दिन शहर पार्कों और मंदिरों में काफी भीड़ रही। संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान जी का दर्शन करने के लिए सुबह ही भक्तों की लंबी कतार लगी रही। यहां पर बड़ी संख्या में पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई। भक्तों ने श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन पूजन कर लड्डू के साथ भीगा चना और तुलसी दल का भोग लगाया। जय श्री राम और जय बजरंग बली के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। बजरंग बली का दर्शन करने के बाद भक्तों ने नौका विहार का भी आनंद लिया। संगम के घाटों पर वीआईपी किला घाट

से लेकर संगम नोज तक लोगों की भारी भीड़ रही। लोगों ने ऊंट की सवारी और नौका विहार का आनंद लिया। घाट पर मेले जैसा दृश्य रहा। कड़ाके की ठंड में धूप निकलने से लोगों की भीड़ और ज्यादा बढ़ गई।

आजाद पार्क में भारी भीड़

चंद्रशेखर आजाद पार्क में लोगों की भारी भीड़ रही। बच्चों ने झूले का आनंद लिया। भीड़ के चलते सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही। पार्क में जाने वाले सभी द्वार पर भारी भीड़ रही। टिकटों की जमकर बिक्री हुई। लोगों ने पार्क में दिन भर व्यतीत किया। इसके अलावा हाथी पार्क, सरस्वती पार्क और पीडी टंडन पार्क में भी भीड़ रही।

मनकामेश्वर मंदिर में भक्तों ने टेका मत्था

यमुना तट पर स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रही। लोगों ने दूध और बेल पत्र के साथ गंगा जल चढ़ाकर भगवान शिव की आराधना की। भीड़ के मद्देनजर यहां पर भारी पैमाने पर फोर्स तैनात किया गया है। नया यमुना ब्रिज भी लोगों से गुलजार रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर सेल्फी ली। होटल, रेस्टूरेंट और खान पान के दुकानों पर लोगों की काफी भीड़ रही।

# अदालतें ऐसा काम न करें, जिससे न्याय प्रणाली से जनता का भरोसा कम हो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जब ट्रायल कोर्ट को पता था कि सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित मामले में दाखिल विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर फैसला सुना दिया है तो उसे आदेश की कॉपी का इंतजार करना चाहिए था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जब ट्रायल कोर्ट को पता था कि सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित मामले में दाखिल विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर फैसला सुना दिया है तो उसे आदेश की कॉपी का इंतजार करना चाहिए था। भले ही हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश में 30 दिन के भीतर मामले में फैसले का निर्देश दिया था। इसके पालन में एक–दो दिन की देरी हो जाती तो आसमान नहीं टूट पड़ता। ऐसी जल्दबाजी अनुचित है। अदालतों को ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए, जिससे आम जनता का पवित्र संस्था से विश्वास कम हो।

इसी टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की एकल पीठ ने हामिद और दो अन्य की ओर से दाखिल पुनरीक्षण अर्जी पर ट्रायल कोर्ट के 17 अगस्त 2024 के समन आदेश को रद्द कर दिया है। साथ ही 31 मार्च 2026 तक सभी पक्षों को सुनकर नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। मेरठ के मुंडाली थाना

क्षेत्र में 19 मई 2020 को दो व्यक्तियों की हत्या हो गई थी।

मामले में हामिद और दो अन्य आरोपी बनाए गए थे, लेकिन पुलिस ने जांच के बाद इनके नाम चार्जशीट से हटा दिए। हालांकि, वादी पक्ष ने सीआरपीसी की धारा–319 के तहत इन तीनों को मुकदमे में शामिल करने के लिए आवेदन दिया, जिसे ट्रायल कोर्ट ने 17 अगस्त 2024 को स्वीकार कर लिया था। समन आदेश जारी होने पर आरोपियों ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण अर्जी दायर कर चुनौती दी।

याचियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि ट्रायल कोर्ट ने जल्दबाजी में आदेश पारित किया है। क्योंकि,14 अगस्त 2024 को सर्वोच्च न्यायालय ने मामले में एसएलपी का निपटारा किया था। इसकी जानकारी ट्रायल कोर्ट को दी गई थी। बताया गया था कि आदेश अपलोड होने वाला है पर ट्रायल कोर्ट ने उसके आदेश का इंतजार नहीं किया। साथ ही गवाहों की जिरह में विरोधाभास के बावजूद समन जारी कर दिया गया।

वहीं, वादी के वकील ने दलील दी कि यह दोहरा हत्याकांड है। आरोपियों के नाम मुख्य प्राथमिकी में दर्ज थे। केवल स्वतंत्र गवाहों के बयानों के आधार पर नाम निकालना गलत था। वादी का दावा था कि आरोपियों ने सीधे तौर पर फायरिंग की थी। उनके खिलाफ मुकदमा चलना जरूरी है। हाईकोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी की धारा–319 के तहत शक्ति का प्रयोग सावधानी से होना चाहिए। ऐसे में कोर्ट ने पुनरीक्षण अर्जी को स्वीकार करते हुए ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया।

क्या है सीआरपीसी की धारा–319

सीआरपीसी की धारा–319 (अब बीएनएसएस की धारा–258) अदालत को ट्रायल के दौरान प्रथम दृष्टया किसी ऐसे व्यक्ति की संलिप्तता का साक्ष्य प्रकाश में आने पर, जिसका नाम न एफआईआर में है और न ही आरोप पत्र में, उसे बतौर आरोपी तलब करने की शक्ति देती है।

# हाईकोर्ट ने कंप्यूटर ऑपरेटर की बर्खास्तगी रद्द की; कहा- दंड तय करना जांच अधिकारी का काम नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत एक कंप्यूटर ऑपरेटर की बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि विभागीय जांच के दौरान जांच अधिकारी का काम केवल आरोपों की सत्यता की जांच करना है, न कि सजा का प्रस्ताव देना। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत एक कंप्यूटर ऑपरेटर की बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि विभागीय जांच के दौरान जांच अधिकारी का काम केवल आरोपों की सत्यता की जांच करना है, न कि सजा का प्रस्ताव देना। यह आदेश न्यायमूर्ति विकास बुधवार की पीठ ने दिया है। याची अनिल कुमार पटेल वर्ष 2017 में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड–ए के पद पर नियुक्त हुए थे। इनके विरुद्ध 2021 में झांसी में एक आपराधिक मामला दर्ज हुआ था। इसके आधार पर उन्हें निलंबित कर दिया गया और उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई। जांच अधिकारी ने 12 दिसंबर 2022 को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें उन्होंने न केवल याचिकाकर्ता को दोषी पाया, बल्कि याची को सेवा से बर्खास्त करने की सिफारिश भी कर दी । इसी सिफारिश के आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, झांसी ने 19 फरवरी 2023 को उन्हें बर्खास्त कर दिया था। इस आदेश को याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम, अधिवक्ता आर्या गौतम ने दलील दी कि बर्खास्तगी का विवादित आदेश कानूनन टिकने योग्य नहीं है क्योंकि जांच अधिकारी ने अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करते हुए सजा का प्रस्ताव दिया था। जबकि जांच अधिकारी को केवल आरोपों के आधार पर सत्यता की जांच करना था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देकर बर्खास्तगी के आदेश को रद्द करने की मांग की। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि जांच अधिकारी ने सजा का प्रस्ताव देकर अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है। अदालत ने माना कि यह त्रुटि मामले की जड़ में है, जिससे पूरी कार्यवाही दूषित हो गई है। हाईकोर्ट ने बर्खास्तगी आदेश को रद्द करते हुए मामले को वापस अनुशासनात्मक प्राधिकारी को भेज दिया है। कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि दो सप्ताह के भीतर एक नया जांच अधिकारी नियुक्त किया जाए। जांच की प्रक्रिया याचिकाकर्ता की ओर से पहले दिए जा चुके जवाब के स्तर से दोबारा शुरू की जाए और इसे दो महीने के भीतर पूरा किया जाए। डीजीपी को इस आदेश की प्रति भेजी जाए ताकि भविष्य में जांच अधिकारियों को कानूनी स्थिति के बारे में शिक्षित किया जा सके और ऐसी गलतियां दोबारा न हो। तब तक याचिकाकर्ता की स्थिति वही रहेगी जो बर्खास्तगी आदेश पारित होने के समय थी।

## सुप्रीम कोर्ट का जज बनकर किया डिजिटल अरेस्ट, बच गई साइबर ठगी

प्रयागराज। सिविल लाइंस निवासी सेवानिवृत्त महिला शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट कर दो करोड़ रुपये की ठगी का प्रयास किया गया। ठगों ने शिक्षिका को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में फंसाने और गिरफ्तारी की धमकी देकर तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट पर रखा। सिविल लाइंस निवासी सेवानिवृत्त महिला शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट कर दो करोड़ रुपये की ठगी का प्रयास किया गया। ठगों ने शिक्षिका को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में फंसाने और गिरफ्तारी की धमकी देकर तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट पर रखा। मंगलवार को पीएनबी में 1.20 करोड़ की एफडी तोड़कर दूसरे खाते में ट्रांसफर कराने पहुंची तो पीएनबी मैनेजर व कर्मचारियों ने संदेह से साइबर ठगी से बच गईं। सिविल लाइन निवासी 65 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षिका घर पर अकेले ही रहती हैं। उनके दो बेटे बाहर रहकर नौकरी करते हैं। जबकि पति का निधन हो चुका है। शिक्षिका के पास 26 दिसंबर को अनजान नंबर से फोन आया। शातिरों ने महिला को उनके आधारकार्ड पर फर्जी बैंक खाते से करोड़ रुपये लेनदेन होने की जानकारी दी। इसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी और सुप्रीम कोर्ट का डर दिखाया। तत्काल गिरफ्तारी से बचने के लिए तीन दिन तक वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट रखा। मंगलवार को पीएनबी शाखा सिविल लाइंस पहुंची और अपनी 1.20 करोड़ की एफडी को तोड़कर दूसरे बैंक खाते से भेजने लगी। इस पर शाखा प्रबंधक विपिन कुमार समेत कर्मियों ने महिला शिक्षिका की घबराहट देख आशंका व्यक्त की। पूछताछ करने पर महिला सही से जवाब नहीं दे सकी। सूचना पर पहुंची साइबर पुलिस की टीम ने महिला से काउंसलिंग की तो डिजिटल अरेस्ट होने का खुलासा हुआ। पुलिस जांच में पता चला कि महिला को साइबर ठगों ने सुप्रीम कोर्ट का जज बनकर ठगी करने का प्रयास किया था। पुलिस और बैंक कर्मियों ने जिस बैंक खाते में रुपये भेजना था, उसकी भी जांच की गई तो पता चला कि ठगों ने 25 अक्तूबर को नया बैंक खाता खोला है। वहीं, शाखा प्रबंधक विपिन कुमार कहना कि महिला शिक्षिका का खाता वर्तमान में फ्रीज कर दिया गया है। ताकि किसी तरह से रुपये न निकाल सके।

## किरन, उर्मिला और शोभा के खाने ने बढ़ाया जायका

प्रयागराज। भारत स्काउट गाइड इंटर कॉलेज प्रयागराज में जनपद स्तरीय रसोइया पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जनपद से समस्त ब्लॉकों से जुड़े परिषदीय विद्यालयों के 30 रसोइयों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर धनूपुर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय धारूपुर की रसोइया किरन देवी ने पहला, हंडिया ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय बगहां की रसोइया उर्मिला देवी ने दूसरा और सैदाबाद ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय सैदाबाद की रसोइया शोभा देवी ने तीसरा स्थान हासिल किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार, डायट प्राचार्य रमेशचंद्र तिवारी और उप शिक्षा निदेशक बेसिक शिक्षा संजय कुमार कुशवाहा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

## भंभौरा का सरकारी ट्यूबवेल लंबे समय से खराब, किसान परेशान

प्रयागराज। क्षेत्र के भंभौरा स्थित तीस–एम ट्यूबवेल वर्षों से खराब पड़ा है। कई बार की गई शिकायत के बाद भी समस्या दूर नहीं की गई। इससे किसानों को सिंचाई के लिए दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए भारतीय किसान यूनियन (किसान) के ब्लॉक अध्यक्ष शिवम राय ने स्थानीय प्रशासन से शिकायत की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि समस्या जल्द दूर नहीं की गई तो तहसील का घेराव व प्रदर्शन करेंगे। साथ ही किसानों को निजी ट्यूबवेल संचालकों के शोषण से राहत दिलाने की मांग की है। आरोप है कि खराब पड़े सरकारी ट्यूबवेल की वजह से निजी ट्यूबवेल संचालक इसका फायदा उठा रहे हैं। बता दें कि भंभौरा स्थित सरकारी ट्यूबवेल से भंभौरा सहित अलग–बगल के गांव के किसानों की फसल की सिंचाई की जाती थी लेकिन इधर, साल भर से खराब पड़े ट्यूबवेल से जमीन असिंचित पड़ी है। वहीं, आरोप है कि इसका फायदा निजी ट्यूबवेल संचालक उठा रहे हैं। वह ऊंचे दर में सिंचाई कर रहे हैं।

## नगर प्रशासन निगरानी के लिए 18 स्थानों पर लगाएगा सीसीटीवी कैमरे

प्रयागराज। स्थानीय नगर पंचायत कार्यालय की ओर से कस्बा की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ व हाईटेक करने का निर्णय लिया गया है। अपराध पर लगाम कसने व नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरा कस्बा अब सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगा। नगर प्रशासन ने इसके लिए कार्य योजना तैयार कर ली है। इसके तहत सीमाओं, संवेदनशील तथा सार्वजनिक स्थानों पर ऑडियो रिकॉर्डिंग वाले अत्याधुनिक कैमरे और एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार कस्बे की सीमाओं और भीड़भाड़ वाले संवेदनशील इलाकों में हाई–डिफनिशन सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएंगे। सामान्य कैमरों के इतर यहां लगने वाले कैमरे वीडियो के साथ मौके की आवाज भी रिकॉर्ड करेंगे।

इससे किसी भी तरह के विवाद, छेड़खानी या आपराधिक घटना की स्थिति में पुलिस एवं प्रशासन को जांच के लिए पुख्ता सबूत मिल सकेंगे। निगरानी के लिए पुलिस बूथ तिराहा, हनुमान चौराहा, इब्राहिमपुर समेत 18 प्रमुख स्थानों को चिह्नित किया गया है। इन कैमरों का संचालन नगर पंचायत कार्यालय में बनने वाले कंट्रोल रूम से किया जाएगा।

लगेगी एलईडी स्क्रीनः टाउन एरिया प्रशासन ने सुरक्षा के साथ राजस्व बढ़ाने की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। कस्बा के प्रमुख स्थान हनुमान मंदिर चौराहा एवं पुलिस बूथ तिराहा पर बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। इन स्क्रीनों पर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विशेष आयोजनों का लाइव प्रसारण तो होगा ही, साथ ही विज्ञापन प्रसारित कर नगर पंचायत अपनी आय में वृद्धि भी करेगा।

सुरक्षा एवं राजस्व बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। कैमरों से नगर की निगरानी होगी और एलईडी से सरकारी योजनाओं का प्रचार। जिलाधिकारी से मंजूरी मिलते ही काम शुरू होगा। – पद्मजा मिश्रा, अधिशासी अधिकारी, लालगोपालगंज।

– आमजन को सुरक्षित माहौल देना हमारी प्राथमिकता है। सीसीटीवी कैमरों से महिलाओं और व्यापारियों की सुरक्षा बढ़ेगी। नगर को स्मार्ट बनाने की दिशा में यह एक अहम कदम है।

– जुलेखा, अध्यक्ष नगर पंचायत लालगोपालगंज

## सीएससी वॉलेट में 2.05 लाख की चपत लगाने का आरोप, दो के खिलाफ मुकदमा

प्रयागराज। सीएससी ई–गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के सहायक प्रबंधक ने सरायइनायत के दलापुर निवासी सीएससी केंद्र संचालक कुलदीप कुमार यादव व प्रिंस कुमार समेत अन्य पर साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

सीएससी ई–गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के सहायक प्रबंधक ने सरायइनायत के दलापुर निवासी सीएससी केंद्र संचालक कुलदीप कुमार यादव व प्रिंस कुमार समेत अन्य पर साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप है कि फर्जी तरीके से हरियाणा फरीदाबाद के गांव नचौली निवासी सुरेश नागर के सीएससी वॉलेट से 2.05 लाख रुपये का अपने वॉलेट में रिचार्ज कर चपत लगाई गई है।

सहायक प्रबंधक शैलेंद्र कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि नई दिल्ली के ओखला फेज तीन में उनका कार्यालय है। कंपनी का उद्देश्य ई–गवर्नेंस प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकार की सेवाओं को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तक पहुंचाना है। सेवाओं के लिए कंपनी के पास एक प्रीपेड वॉलेट होता है। इसमें जमा की गई राशि के माध्यम से सेवाओं का भुगतान किया जाता है।

15 दिसंबर को हरियाणा फरीदाबाद के गांव नचौली निवासी सुरेश नागर ने कार्यालय में बताया कि 12 दिसंबर को उनके तीन बैंक खातों से 81,300, 29,100 और 95 हजार रुपये बिना उनकी सहमति से सीएससी ई–गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के खाते में स्थानांतरित कर लिए गए। कंपनी की आंतरिक जांच में पता चला कि उक्त रुपये प्रयागराज के फूलपुर गांव चुरामन निवासी प्रिंस कुमार के प्रीपेड वॉलेट को टॉपअप करने के लिए जमा किए गए हैं। पता चला कि कि उक्त सीएससी आईडी को 24 नवंबर 2025 को जारी किया गया था। 12 दिसंबर को केंद्र के संचालन का पहला दिन था। इसमें कुल 35 लेनदेन के माध्यम से 16.13 लाख रुपये का टॉपअप किया गया।

नवंबर 2021 में हुआ था पंजीकरण

कंपनी ने आईडी में पंजीकृत मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो वह फर्जी निकला। इसके बाद आधार कार्ड में अंकित मोबाइल नंबर से संपर्क किया तो प्रिंस ने कुलदीप नाम के व्यक्ति का नाम लेकर कहा कि आईडी के लिए आवेदन किया था लेकिन अब तक आईडी नहीं मिली है। पता चला कि सरायइनायत के दलापुर निवासी कुलदीप कुमार यादव का सीएससी में आठ नवंबर 2021 को पंजीकरण हुआ था। कुलदीप ने माना कि वह दो आईडी का संचालन कर रहा है। आशंका है कि एक ही दिन में 16,13,790 रुपये का टॉपअप भी ठगी की आय हो सकता है।

## भयहरण नाथ धाम में नव वर्ष 2026 के प्रथम दिवस पर भक्तों ने झुकाया माथा क्षेत्रीय रामायण मंडल द्वारा हुआ भजन व सत्संग का भव्य आयोजन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में नववर्ष 2026 के प्रथम दिवस पर सुबह से ही श्रद्धालु भक्तो का आवागमन जारी रहा। वहीं क्षेत्रीय रामायण मंडल द्वारा कीर्तन, भजन, व सत्संग का भव्य आयोजन राधा कृष्ण मन्दिर में किया गया। मुख्य मन्दिर के पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित विश्वकर्मा मन्दिर, श्री राम परिवार मन्दिर व नागेश्वर मन्दिर में विशेष पूजन सम्बन्धित पुजारियों द्वारा करके भक्तो के दर्शन पूजन हेतु दिन भर मन्दिर खुला रखा गया जिससे लगातार श्रद्धालु जन दर्शन पूजन करते रहे। यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि धाम में नव वर्ष पर गत वर्षो की भाँति भक्तों का आवागमन दिन भर जारी रहा। श्री राधा कृष्ण मन्दिर व्यवस्था समिति द्वारा महंत बिच्छू महाराज के मार्गदर्शन में भव्य भजन व सत्संग का आयोजन किया गया। नये वर्ष के प्रथम दिवस पर भक्ति मय माहौल देखने को मिला। क्षेत्रीय रामायण मंडल के कलाकार लोक गायक दयाराम पटेल, विनोद मास्टर व सुभाष तथा ढोलक मास्टर तोता भाई व राम आसरे गुप्ता ने भजन व भक्ति गीतों से सभी को झुमने पर मजबूर कर दिया। सभी भक्तो व श्रद्धालुओं के लिए चाय नाश्ते की व्यवस्था ने भी नये वर्ष के इस सामूहिक आयोजन में चार चाँद लगा दिय। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र संजीव व स्वच्छता नायक राज कुमार ने धाम परिसर में सभी व्यवस्था पर सहयोग करते हुए विशेष भूमिका निभाई।

## जीवन का मकसद पाने के लिए ज़रूरी है आध्यात्मिक ज्ञान शक्ति : डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि जीवन का मकसद पाने के लिए मानसिक शक्ति, और दृढ इरादे के साथ आध्यात्मिक दार्शनिक ज्ञान ज़रूरी है।

सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह की अध्यक्षता में गुरुवार, 1 जनवरी की सुबह 9रू30 बजे आयोजित ज्ञान महासभा में उन्होंने अनुग्रह भाषण देते हुए कहा कि जो दर्शन मन को स्थिरता प्रदान करती है, वही आध्यात्मिक दर्शन है, और हमें अपनी ज़िंदगी में होने वाले छोटे–मोटे मनमुटावों से छुटकारा पाना चाहिए और अध्यात्मिक दर्शन के द्वारा अच्छे–बुरे का विश्लेषण करके हमेशा खुशी के साथ जीने के लिए एक मानसिक स्थिति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अपने अंदर की खामियों को ठीक किए बिना कितने भी कार्य कर लें, कोई फायदा नहीं होगा और अपने अंदर की कमियों को दूर करने का एकमात्र तरीका अध्यात्मिक दर्शन है।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि अमेरिका से पधारी श्री किरण प्रभा ने पीठ द्वारा चलाए जा रहे बाल विकास कार्यक्रमों की प्रशंसा की। त्याग के बारे में बोलते हुए, उन्होंने ट्रस्ट की ओर से चलाए जा रहे प्रोग्राम की सराहना की।

सभा की शुभारंभ एक और अतिथि, सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस श्री डॉ. कोंडा नरसिम्हा राव और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अलीवेलु मंगादेवी के आगमन साथ हुई। कार्यक्रम में तात्विक बाल विकास के बच्चे उर्विशा, वर्षिणी, कैवल्य ज्योति, नव्याश्री और भाविनश्री के भाषणों ने सभी का मन मोह लिया। श्रीमती उमामुकुंदा के नेतृत्व में प्रस्तुत संगीत कीर्तन ने सभी का मनोरंजन किया। मदर इंडिया इंटरनेशनल के चेयरमैन श्री पिल्ली तिरुपति राव और उनकी टीम के सदस्यों ने सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह को सम्मानित किया।

उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट ने पीठाधिपति के कर कमलों से महिलाओं और युवाओं को वस्त्र प्रदान कराया। साथ ही, श्री दंगेटी रामकृष्ण के सौजन्य से पीठाधिपति के हाथों से धान के गुच्छे वितरित किए गए।

श्री वाई. उमेश कुमार ने दर्शकों को नए साल की विशेषताओं के बारे में बताया, जबकि अवधानी येरमसेट्टी उमामहेश्वर राव ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के बाद, दूर दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आए भक्तों ने सद्गुरु के दर्शन किए और प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण किया।

सेंट्रल कमेटी के सदस्य श्री ए.वी.वी. सत्यनारायण, श्री पिंगली आनंद कुमार, श्री रेका प्रकाश और अन्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर 105 नए लोगों को सद्गुरु ने महा मंत्रोपदेश दिया।

## जुनूँ अवार्ड से बच्चे सम्मानित

प्रयागराज। ओम गायत्री नगर में ' वर्ड ह्यूमेन ऑरगेनाइजेशनश के तत्त्वावधान में 'विश्व मानव दिवस–2026श एवं ' अन्तर्राष्ट्रीय जुनूँ अवार्ड –2025 समारोह का आयोजन गायत्री नगर, प्रयागराज में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ० प्रदीप चित्रांशी एवं विशिष्ट अतिथि दैनिक समाचार पत्र 'शहर समताश के संपादक उमेश श्रीवास्तव श तथा संयोजक केशव सक्सेना रहे। सरस्वती वन्दना एवं माल्यार्पण के बाद पूज्य व चिरस्मरणीय स्व. प्रेमलता श्रीवास्तव, डॉआर वी जुनूँ, कवि जान मिल्टन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि दी गई। केशव सक्सेना ने संस्था के द्वारा पर्यावरण पर बच्चो के विकास हेतु किये जा रहे कार्य से सबको रूबरू कराया। मुख्य अतिथि डॉ० प्रदीप चित्रांशी एवं विशिष्ट अतिथि ने जुनूँ जी के द्वारा समाज के लिए किये गए लोकहित कार्यों पर सार्थक चर्चा की। चर्चा के बाद 28वें अन्तर्राष्ट्रीय जुनूँ अवार्ड से बच्चों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले बच्चे अनमोल, अविनाश, रिषभ, तुलसी, आदिती, वैष्णवी, प्रभव एवं गर्वित रहे। कवि एवं अथितियों द्वारा कविता पाठ के बाद केशव सक्सेना ने आभार ज्ञापित किया।

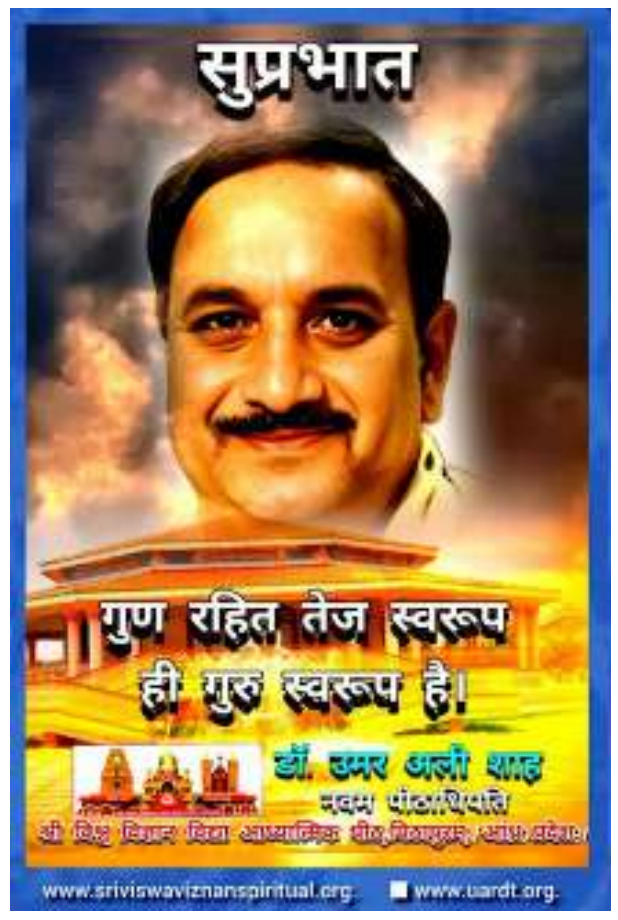


## संरचना है फूल की

(कुण्डलिया)

संरचना है फूल की, आपस के संबंध।
पंखुरियों के बीच में, भरते मधुर सुगन्ध।
भरते मधुर सुगन्ध, ज्ञान का सागर बनके।
सूफी सन्त समान, नहीं मौसम से डरते।
सुन लो कहें प्रदीप, आवरण अच्छा रखना।
कोमलता के साथ, सिखाती है संरचना।।

हँसते–हँसते फूल ने, दिया सभी को ज्ञान।
त्याग दिया जिसने अहं, मिली उसे पहचान।
मिली उसे पहचान,इसी को कह संसारी।
गुण को रहे बखान, साधु हो या व्यापारी।
सुन लो कहें प्रदीप,बात यह करते–करते।
हर मौसम में पुष्प, खिले हैं हँसते–हँसते ।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज


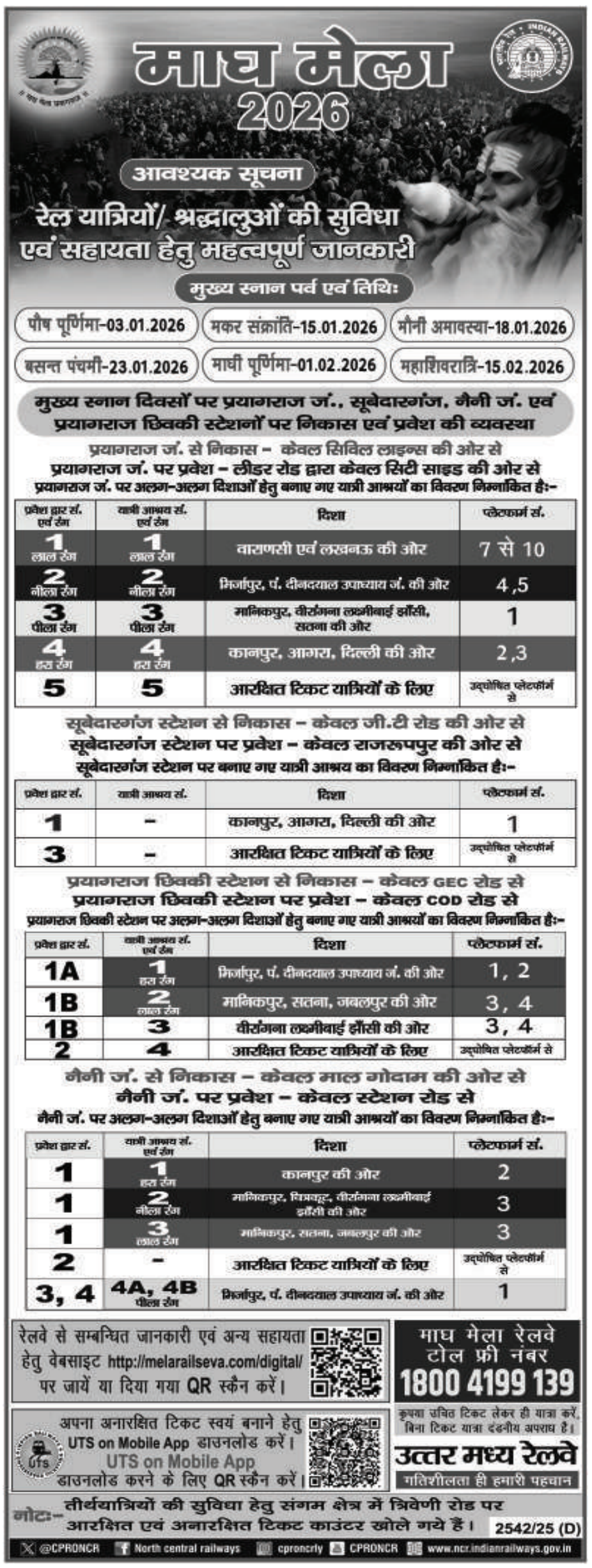

# सम्पादकीय.....

## कांग्रेस के संकट

निस्संदेह, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को फिलहाल बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव दर चुनाव उसका दायरा लगातार सिमटता ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर चुनावी मोर्चे पर भी कांग्रेस के लिए बीत रहा साल निराशाजनक ही रहा है। कांग्रेस पार्टी को दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना भी करना पड़ा है। हालांकि, पार्टी ने 'वोट चोरी' मुहिम को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उसके परंपरागत वोट फिर लौटकर नहीं आए। बल्कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों को भी सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल सका। पार्टी के लिए आने वाला साल एक नई चुनौती लेकर आ रहा है। आने वाले साल में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व का आत्मविश्वास से भरा रवैया दिखाना स्वाभाविक ही कहा जाएगा। इस आयोजन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 'कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो सदैव हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश व्यक्ति के हितों के लिए खड़ी रही है।' वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणा की कि 'कांग्रेस एक विचारधारा का नाम है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।' लेकिन वास्तव में एक कड़वी सच्चाई यह है कि पार्टी के अस्तित्व पर संकट दिन–ब–दिन गहराता जा रहा है। पार्टी संगठन में असंतोष की आहटें साफ तौर पर सुनाई दे रही हैं। यह असंतोष किस हद जा पहुंचा है, हालिया घटनाक्रम इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की कुशल संगठनात्मक रणनीति की प्रशंसा और ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी थी। निश्चय ही आम कार्यकर्ता पर इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा होगा। दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। देखा जाए तो गाहे–बगाहे कांग्रेस संगठन से शीर्ष स्तर पर गहरे तक जुड़े रहे दिग्गज कांग्रेस नेताओं के पार्टी लाइन से हटकर दिए गये बयान पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह का भाजपा व आरएसएस की संगठनात्मक शक्ति को लेकर चौंकाने वाला बयान सार्वजनिक विमर्श में आया, तो उनके विचारों के प्रति शशि थरूर का संयमित समर्थन करता दृष्टिकोण भी सामने आया, जो यह भी दर्शाता है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक शक्ति के पुनर्निर्माण के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं कर सकती। अक्सर कांग्रेस यह दावा भी करती रही है कि इतिहास, मूल्य और विचारधारा उसकी मूल पूंजी हैं। इस पूंजी को चुनावी लाभ में परिवर्तित किया जा सकता है या नहीं, यह बयानबाजी से कम और पार्टी में सुधार, संगठन के पुनर्गठन और जनता से प्रभावी ढंग से पुनरू जुड़ने की क्षमता पर अधिक निर्भर करता है। ऐसे समय में, जब राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा का एकछत्र वर्चस्व बना हुआ है और यह कह सकते हैं कि सभी क्षेत्रों में इसका दबदबा कायम है, भाजपा ने तो यहां तक कह दिया है कि कांग्रेस 'चापलूसों की सेना' है। साथ ही उसे भारतीय लोकतंत्र की 'सबसे कमजोर कड़ी' तक करार दे दिया है। निस्संदेह, यह आलोचना, जो काफी हद तक सच के करीब है, कांग्रेस को आत्ममंथन करने और मौजूदा स्थिति में बदलाव लाने के लिए भी प्रेरित करेगी। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि अपने एक सौ चालीस साल के इतिहास में कांग्रेस एक चुनौतीपूर्ण मोड़ पर खड़ी हुई है। ऐसे में इस पार्टी का पुनरुत्थान भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए विपक्ष की संभावनाओं की कुंजी भी साबित हो सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अतीत की विफलताओं से सबक लेकर कांग्रेस पार्टी नये साल में नये तेवरों के साथ जनता के दरबार में जाएगी।

# एंजेल चकमा की मौत, देश के लिए सबक

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*जो हमारी तरह नहीं है, बहुसंख्यकों में शामिल नहीं है, उसे अल्पसंख्यक भी न रहने दिया जाए, बल्कि उसका अस्तित्व ही मिटा दिया जाए, इसी उन्मादी सोच का शिकार देश हो चुका है।*

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में त्रिपुरा से आए छात्र एंजेल चकमा की नस्लवादी नफरत में हत्या कर दी गई। इस घटना पर अब उत्तराखंड से लेकर त्रिपुरा तक विरोध ा–प्रदर्शन हो रहे हैं, लोग नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। पूर्वोत्तर के छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं अब भाजपा के नेता भी इस घटना को दुखद और चिंतनीय बता रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में नस्लवाद और भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी जाति, नस्ल या धर्म के लोगों का मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पूर्वोत्तर के लोग ही नहीं, बल्कि सभी को इस तरह की घटनाओं से दुखी होना चाहिए, क्योंकि यह किसी के साथ भी हो सकता है।एक बेकसूर नागरिक को केवल उसके चेहरे–मोहरे के कारण मार देना दुख और नाराजगी की बात तो है ही, उससे भी अधिक गहरी चिंता की बात है कि एक समाज के तौर पर हम पागलपन के किस दौर में पहुंचा दिए गए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को कपड़ों से पहचान करने के लिए उकसाया तो अब उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए लोग कपड़ों के साथ–साथ खान–पान, नाम, नैन–नक्श से भी पहचान करने लगे हैं कि कौन हमारे जैसा है और कौन नहीं। जो हमारी तरह नहीं है, बहुसंख्यकों में शामिल नहीं है, उसे अल्पसंख्यक भी न रहने दिया जाए, बल्कि उसका अस्तित्व ही मिटा दिया जाए, इसी उन्मादी सोच का शिकार देश हो चुका है।भाजपा ने सत्ता पाने और उस पर जमे रहने के लिए लोगों में जो फूट डालनी शुरु की है, अब उसकी पराकाष्ठा देखी जा सकती है। किरण रिजीजू को अब अगर लग रहा है कि जाति, नस्ल या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए, तो ऐसा ही विरोध उन्हें उस वक्त भी करना था जब सैंटा क्लॉज की टोपी पहनने या बेचने वालों को प्रताड़ित किया गया। जब जन्मदिन के जश्न में बजरंग दल के गुंडे केवल इसलिए घुसकर मारपीट करने लगे, क्योंकि उसमें अल्पसंख्यक लोग भी थे। अगर अखलाक की लिंचिंग के बाद ही किरण रिजीजू भीड़ की हिंसा के खिलाफ बोलते या झारखंड में मॉब लिंचिंग के आरोपियों को जब भाजपा नेता जयंत सिन्हा माला पहना रहे थे, तब उनकी मुखालफत करते, तब तो उनकी चिंता जायज लगती। लेकिन अभी तो ऐसा लग रहा है कि पूर्वोत्तर में भाजपा की स्थिति कमजोर न हो जाए, इस डर से किरण रिजीजू पीड़ित के पक्ष में बोल रहे हैं।गनीमत यही है कि वो बोल रहे हैं, वर्ना देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को तो शायद ऐसी घटनाएं संबोधित करने लायक लगती ही नहीं हैं। वैसे भी इस समय उनका पूरा ध्यान इस समय बंगाल चुनाव पर हैं, जहां से घुसपैठियों को चुन–चुन कर निकालने की प्रतिबद्धता मोदी–शाह दिखा रहे हैं। हालांकि वे अब तक ये नहीं बता पाए हैं कि इससे पहले झारखंड, दिल्ली और बिहार में उन्हें कितने घुसपैठिए मिले हैं और उन पर क्या कार्रवाई की गई है। घुसपैठिए का डर बढ़ाकर भी देश में अल्पसंख्यकों और बांग्लाभाषियों के लिए खतरे बढ़ा दिए गए हैं। मजदूरी या अन्य कार्यों में रत बांग्लाभाषियों को कई बार घुसपैठिए होने के नाम पर प्रताड़ित होना पड़ा है। इस सिलसिले में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर चिंता जाहिर की है कि प्रवासी बंगाली मजदूरों के साथ हो रहे भेदभाव पर कार्रवाई की जाए।तो किरण रिजीजू मुंहजुबानी जो चिंता जतला रहे हैं, उसे अपनी पार्टी के भीतर उन्होंने व्यक्त किया है या नहीं, ये भी बता देना चाहिए। वैसे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 29 तारीख को पीड़ित के पिता से फोन पर बात की और आश्वासन दिया कि कोई बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने त्रिपुरा की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री माणिक साहा से भी फोन पर बात की। पीड़ित के पिता से बात करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने बाकायदा वीडियो बनवाया और उसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया। सवाल ये है कि क्या भाजपा के लोगों में शर्म और संवेदनशीलता का भाव रंचमात्र भी बचा है या नहीं। क्योंकि 9 तारीख की घटना पर प्रतिक्रिया देने में मुख्यमंत्री को पूरे 20 दिन लग गए। जबकि घटना उसी देहरादून में हुई, जहां वो रहते हैं। क्या मुख्यमंत्री को यह खबर ही नहीं थी कि राजधानी में एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल को बीच बाजार में श्चीनीश, शचिंकीश और श्मोमोश जैसे अपमानजनक शब्द कहकर छेड़ा गया और विरोध करने पर उन्हें इतनी बुरी तरह मारा गया कि उनकी जान ही चली गई। अगर मुख्यमंत्री इस घटना से अनजान थे तो फिर यह माना जा सकता है कि सरकार का सूचना तंत्र बेहद कमजोर है और उन्हें इस पद पर रहने का अधिकार नहीं है। और अगर उन्हें इस नस्लीय हिंसा की जानकारी थी तो फिर इतने दिन चुप्पी क्यों लगाई गई, यह भी विचारणीय है। राहुल गांधी ने सही लिखा है कि नफरत रातोंरात नहीं पैदा होती। सालों से इसे रोजाना पोषित किया जा रहा है– खासकर हमारी युवा पीढ़ी को– जहरीले कंटेंट और गैरजिम्मेदार बातों से। और सत्ता में बैठी बीजेपी की नफरत उगलने वाली नेतागिरी इसे सामान्य बना रही है। हम प्यार और विविधता का देश हैं। हमें ऐसा मरा हुआ समाज नहीं बनना चाहिए जो अपने साथी भारतीयों पर हमले होते देखकर मुँह फेर ले। हमें सोचना होगा और सामना करना होगा कि हम अपने देश को क्या बनने दे रहे हैं।

# क्या मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में एआई निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका?- डॉ. अतुल मलिमकराम (राजनीतिक रणनीतिकार)

विविधता और गहराई भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है और इस खूबसूरती को समय–समय पर होने वाले चुनाव अधिक निखार देते हैं। मध्य प्रदेश जैसे विशाल और सामाजिक–आर्थिक रूप से विविध राज्य में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे जनता की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और भविष्य की दिशा का संकेत भी देते हैं। 2028 का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव इस दृष्टि से विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह चुनाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडवांस डिजिटल तकनीकों के परिपक्व दौर में होने जा रहा है। यह चुनाव न केवल राजनीतिक दलों की रणनीति की परीक्षा होगा, बल्कि यह भी तय करेगा कि तकनीक लोकतंत्र को किस दिशा में ले जा रही है। मध्य प्रदेश के चुनावी परिदृश्य में भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। आदिवासी बहुल अंचल, ग्रामीण कृषि क्षेत्र, उभरते शहरी केंद्र और औद्योगिक क्षेत्र, सभी की समस्याएँ और प्राथमिकताएँ अलग–अलग हैं। ऐसे में, एक–सी चुनावी रणनीति अब प्रभावी नहीं रह गई है। एआई आधारित तकनीकें इस चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता रखती हैं। डेटा एनालिटिक्स, सोशल मीडिया इनसाइट्स और डिजिटल व्यवहार के विश्लेषण के माध्यम से मतदाताओं से अधिक सटीक, प्रासंगिक और संवादात्मक संपर्क संभव हो रहा है।

2028 के विधानसभा चुनाव में एआई आधारित हाइपर–पर्सनलाइज्ड कैंपेनिंग एक निर्णायक भूमिका निभा सकती है। किसानों के लिए कृषि, सिंचाई, समर्थन मूल्य और ग्रामीण बुनियादी ढाँचे से जुड़े संदेश, युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास, महिलाओं के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता तथा आदिवासी समुदायों के लिए वनाधिकार, शिक्षा और स्थानीय विकास जैसे मुद्दों पर केंद्रित संवाद पहले से कहीं अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। यह तकनीक विशेष रूप से उन मतदाताओं को प्रभावित करेगी, जो अब तक निर्णय नहीं ले पाए हैं या जिनका रुझान बदल सकता है।

डिजिटल और वर्चुअल माध्यमों का विस्तार भी इस चुनाव की एक प्रमुख विशेषता होगा। वर्चुअल रैलियाँ, डिजिटल टाउन–हॉल और सीमित स्तर पर मेटावर्स जैसे प्लेटफॉर्म्स राजनीतिक संवाद के नए रूप सामने ला सकते हैं। इससे न केवल प्रचार लागत और सुरक्षा संबंधी चुनौतियाँ कम होंगी, बल्कि दूरदराज़ के आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों तक सीधा संवाद भी संभव होगा। दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने में भी ये तकनीकें सहायक सिद्ध हो सकती हैं।

हालाँकि, इन संभावनाओं के साथ गंभीर चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। डीपफेक, फर्जी वीडियो–ऑडियो, गलत जानकारी और भावनात्मक रूप से भड़काने वाले कंटेंट का खतरा 2028 के चुनाव में और अधिक बढ़ सकता है। यदि इन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो इससे मतदाताओं के विश्वास, सामाजिक सौहार्द्र और चुनावी निष्पक्षता को गंभीर नुकसान पहुँच सकता है। साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता भी एक बड़ा मुद्दा बने रहेंगे, विशेषकर तब जब चुनावी रणनीतियाँ बड़े पैमाने पर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर होंगी।

एक और महत्वपूर्ण चिंता चुनावी असमानता की है। बड़े और संसाधन–संपन्न दल एआई और तकनीक में अधिक निवेश कर सकते हैं, जबकि छोटे और क्षेत्रीय दल पीछे रह सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा का संतुलन बिगड़ने का खतरा है। इसलिए यह आवश्यक है कि चुनाव आयोग और नीति–निर्माता ऐसी व्यवस्था विकसित करें, जिससे सभी दलों को समान अवसर मिल सके।

इन परिस्थितियों में मेरी स्पष्ट राय है कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2028 के लिए एथिकल एआई को चुनावी रणनीति का आधार बनाना होगा। एआई से तैयार कंटेंट पर स्पष्ट लेबलिंग, डीपफेक पहचानने वाले टूल्स का उपयोग, सख्त कानूनी प्रावधान और प्रभावी निगरानी तंत्र समय की माँग हैं। इसके साथ–साथ मतदाताओं की डिजिटल साक्षरता और जागरूकता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे सही और गलत जानकारी में अंतर कर सकें।

राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग, मीडिया, तकनीकी विशेषज्ञों और नागरिक समाज को मिलकर एक साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। तकनीक का उद्देश्य लोकतंत्र को सशक्त बनाना होना चाहिए, न कि उसे भ्रम और अविश्वास की ओर ले जाना। यदि पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिकता को प्राथमिकता दी गई, तो एआई मध्य प्रदेश के चुनावी लोकतंत्र के लिए एक मजबूत सहयोगी बन सकती है।

## रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

आया सन छब्बीस है, लाया नव पैगाम।
नव विचार संकल्प हो, नये करो कुछ काम।।
नये करो कुछ काम, भला इस जग का होता।
याद करें सब लोग, नहीं कुछ इससे खोता।।
कहती रचना आज, उसी ने सब कुछ पाया।
लेकर नव संकल्प, वही जो आगे आया।।

बीता यह जो साल कल, दो हजार पच्चीस।
लाया नव पैगाम है ,दो हजार छब्बीस।।
दो हजार छब्बीस, सुबह नव लेकर आया।
भरता है उल्लास, सभी जन - जन को भाया।।
कहती रचना आज, वही इस जग में जीता।
लेता नव संकल्प, सफल फिर जीवन बीता।।

रचना सक्सेना
असोपीबाग
प्रयागराज

## वह वर्ष जिसने उन्हें संवारा: सोनी सब के सितारों ने 2025 के प्रभाव और 2026 के संकल्पों पर की बात

'दिसंबर, 2025' जैसे–जैसे 2025 का साल समाप्त हो रहा है, सोनी सब ने शानदार कहानियों के साथ भारतीय टेलीविजन के कुछ सबसे पसंदीदा पात्रों को आपके घरों तक पहुँचाया है। भावनाओं और साहस से भरी इन कहानियों ने दर्शकों के दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। इस साल की अविस्मरणीय यात्रा को याद करते हुए, सोनी सब की प्रसिद्ध अभिनेत्रियाँकृ श्रेनु पारिख, करुणा पांडे और सुम्बुल तौकीर कृअपने सबसे प्रभावशाली क्षणों को साझा कर रही हैं और 2026 के लिए अपनी उम्मीदों और संकल्पों के बारे में बता रही हैं।

गाथा शिव परिवार की – गणेश कार्तिकेय में देवी पार्वती की भूमिका निभा रहीं श्रेनु पारिख ने कहा, "2025 मेरे लिए खुद को फिर से खोजने का साल रहा। एक ब्रेक के बाद टेलीविजन पर वापसी करना और पार्वती की गरिमा व शक्ति को जीवंत करने की चुनौती को स्वीकार करना, मुझे याद दिला गया कि मुझे इस कला से प्यार क्यों है। इस भूमिका ने मुझे हर दृश्य में संतुलन, गहराई और ईमानदारी खोजने के लिए प्रेरित किया। दिव्य स्वरूप को निभाने से जो स्पष्टता मुझे मिली, उसने मुझे पहले से कहीं अधिक दयालु और साहसी बनाया है। 2026 में मैं सेट पर इसी उद्देश्य के साथ काम करना चाहती हूँ और मेरा संकल्प है कि मैं जो कुछ भी करूँ, उसमें इरादे, फोकस और प्रामाणिकता के साथ आगे बढ़ूँ।"

पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा का किरदार निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा, "इस साल पुष्पा ने मुझे सरप्राइज देना जारी रखारू वह फिर से छात्रा बनी, कानून की पढ़ाई की और अपना व्यवसाय बढ़ाया। मुझे एहसास हुआ कि उसका विकास ही मेरा विकास है। सबसे यादगार पल कोई एक दृश्य नहीं, बल्कि उसकी छोटी–छोटी जीतें थीं। 2025 ने मुझे याद दिलाया कि टेलीविजन एक जिम्मेदारी है और छोटी–छोटी खुशियाँ ही मिलकर बड़ा प्यार और खुशी बनाती हैं। 2026 के लिए, मेरा संकल्प है कि मैं पुष्पा के किरदार में अपनी पूरी आत्मा झोंक दूँ, ताकि पर्दे पर वह गहराई और लचीलापन दिखे जिसकी दर्शक उम्मीद करते हैं। मैं उस साधारण महिला का जश्न मनाना जारी रखना चाहती हूँ जो असाधारण काम करती है।"

इत्ती सी खुशी में अन्विता का किरदार निभा रहीं सुम्बुल तौकीर खान ने कहा, "2025 ने मुझे पर्दे पर और पर्दे के बाहर नए रिश्ते बनाने और जुड़ाव के बारे में बहुत कुछ सिखाया। मेरे लिए सबसे खास पल वह था जब मैंने उन युवा दर्शकों के संदेश पढ़े जिन्होंने कहा कि अन्विता की कहानी उनके अपने जीवन की झलक है। यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि हमारी कहानी ने केवल मनोरंजन ही नहीं किया, बल्कि लोगों की वास्तविक भावनाओं को छुआ। 2026 के लिए मेरी उम्मीद है कि हम ऐसे ही पल बनाते रहें जिससे लोग जुड़ाव महसूस करें। मेरा संकल्प अपनी खुशियों को संवारना और दर्शकों के साथ अपने रिश्ते को और मजबूत बनाना है।" गाथा शिव परिवार की – गणेश कार्तिकेय, इत्ती सी खुशी, और पुष्पा इम्पॉसिबल

देखें, हर सोमवार से शनिवार केवल सोनी सब पर

# भारत 2026: आगे ऊबड़–खाबड़ रास्ता

**पूनम आई. कौशिश**

जैसे ही 2025 इतिहास में एक उथल–पुथल भरे साल के रूप में दर्ज होता है, एक मिली–जुली स्थिति वाला भारत सावधानी भरी उम्मीद के साथ 2026 में कदम रखता है, क्योंकि उसके सामने नई चुनौतियां हैं। फिर भी, बीते साल की दहलीज से उम्मीद मुस्कुराती है, फुसफुसाते हुए कि यह ज्यादा खुशहाल होगा। क्या ऐसा होगा? निरूसंदेह, प्रधानमंत्री मोदी सही हैं। भारत के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है– ऑपरेशन सिंदूर, महाकुंभ, अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह, पुरुषों की क्रिकेट आई.सी.सी. चौंपियनशिप, महिला क्रिकेट विश्व कप और महिला ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीतना, शुक्ला का इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन में पहले भारतीय बनना आदि। फिर भी, हम अभूतपूर्व समय में जी रहे हैं क्योंकि 2025 का अंत भयानक लिंचिंग की एक बदसूरत और शर्मनाक घटना के साथ हुआ, जिसमें 'दूसरों को अलग–थलग करने' की भावना सामान्य होती जा रही है। देहरादून में उत्तराखंडियों द्वारा 24 साल के त्रिपुरा के एक एम.बी.ए. छात्र को नफरत भरे अपराध में चाकू मार दिया गया, उसे 'चीनी, चिंकी, मोमोज, नेपाली' कहकर ताना मारा गया। दक्षिण में, ओडिशा और केरल में 20 साल के एक बंगाली और एक 31 साल के छत्तीसगढ़ी प्रवासी मजदूरों को 'बंगलादेशी' कहा गया। उत्तर–पूर्वी लोगों को राजधानी दिल्ली में नस्लवाद का सामना करना पड़ता है। सवाल यह है कि क्या युवा और मजदूर अपने ही देश में बिना किसी डर के और सुरक्षित रूप से घूम नहीं सकते?

# सिर्फ़ यादें रह गईं

## धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग –15)

लेखिका –अतिया नूर

मैं समीर को बार – बार अपनी पढ़ाई पर फिर से ध्यान रखने की बात कहती रही और समझाती रही कि – अगर तुम पढ़ो – लिखोगे नहीं तो जीवन में प्रगति नहीं कर सकोगे और अगर प्रगति नहीं कर सके तो नाकामयाब इंसान कहलाओगे, फिर नेहा तो क्या, कोई भी तुमसे शादी क्यों करेगा? समीर मेरी बातें सुनकर अनसुनी कर देता और उसी तरह टहलने – घूमने में समय गुज़ारता रहता, शायद उसके भाग्य में ऐसा ही लिखा था।वह भटका हुआ किशोर बस भटकता रहा, भटकता रहा.... । हाईस्कूल के बाद वह आगे कभी नहीं पढ़ सका।उसे पढ़ाई की तरफ़ झुकाने की मेरी सारी कोशिशें नाकाम रहीं।

समीर ने पढ़ाई तो नहीं की लेकिन पढ़ाई के बदले उसने एक नई ज़िद शुरू कर दी, और यह नई ज़िद थी बिज़नेस की। शेखर और मैं दोनों ही समीर की इस नई ज़िद से बुरी तरह परेशान हो गए।चूंकि मैं और शेखर दोनों ही ऐसे परिवार से थे जहां का हर सदस्य पढ़लिख कर किसी न किसी ऊंचे ओहदेदार पद पर कार्यरत था इसलिए समीर का अनपढ़ रहकर बिजनेस करने की बात हम दोनों के ही गले से नीचे नहीं उतर रही थी। इसके अलावा अभी समीर की केवल पढ़ने – लिखने की उम्र थी। हमें इतना तो मालूम ही था कि – बिज़नेस के लिए काफ़ी ज़्यादा समझ की आवश्यकता होती है, अन्यथा अधिकतर बिज़नेस में लगाया हुआ पैसा डूबना तो तय ही होता है । घर में एक बार फिर आए दिन घमासान की स्थिति पैदा हो चुकी थी। शेखर और समीर में टकराव इस हद तक बढ़ गया था कि घर में रहना दूभर हो गया था, इन सब घटनाओं का असर मेरी नन्हीं सी शिखा पर पड़ रहा था, वह हर समय डरी – सहमी सी रहने लगी। मेरी परेशानियों और चिंताओं का कोई अंत नहीं था।

हालांकि उस समय तो मैं भी नहीं समझ सकी थी लेकिन मुझे अब यह लगता है कि बहुत से बच्चे जिनकी पढ़ने–लिखने में रुचि नहीं होती उन्हें उनके माता पिता के सहयोग, सही मार्गदर्शन और प्यार – दुलार से अगर उनके मनचाहे काम में लगा दिया जाए तो कम से कम इतना तो होता ही है कि वह बच्चे भटकने से बच जाते हैं। निःसंदेह दुनिया में हर इंसान अपनी अलग विशेषता लेकर पैदा होता है। समाज को केवल इंजीनियर, डॉक्टर की ही ज़रूरत होती तो दुकानों पर कौन बैठता?

लेकिन उस समय हम ऐसा कहां सोच सके थे। फिर वही होता रहा जो नहीं होना चाहिए था। हमने समीर को समझने के बजाय फिर वही तरीका अपनाया जो बचपन से उस पर अपनाया जा रहा था। मेरा सोलह – सत्रह साल का बच्चा आए दिन पिटने लगा। कई बार तो इस हद तक मार – पीट हुई कि कभी उसके सर से तो कभी मुंह से ब्लड तक आ गया। मैं किस दिल से यह सब देख रही थी, इस दर्द को लिखने के लिए शब्द कहां से लाऊं।समीर ग़लत था लेकिन उससे ज़्यादा ग़लती तो हमारी थी, हम सब कुछ तो उसे मार – पीट कर समझाते थे....

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

# पंकज कपूर से तलाक का नीलिमा अजीम को नहीं है कोई पछतावा, बोलीं-मेरे पास शाहिद और ईशान है

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस नीलिमा अजीम की शादी साल 1979 में एक्टर पंकज कपूर संग हुई थी। शादी के कुछ सालों बाद दोनों ने बेटे शाहिद कपूर का स्वागत किया, जो आज बॉलीवुड का बड़ा हीरो है। हालांकि, नीलिमा और पंकज का रिश्ता ज्यादा देर तक टिक नहीं पाया और साल 1984 में दोनों का तलाक हो गया। वहीं, हाल ही में नीलिमा ने पंकज कपूर संग अपने तलाक के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में विक्की लालवानी के साथ बातचीत में नीलिमा अजीम ने कहा, "मुझे लगता है कि दुर्भाग्यवश, यही होना था। कोई भी अलग होने के लिए शादी नहीं करता, है ना? वे हमेशा साथ रहने के लिए शादी करते हैं३ लेकिन मुझे लगता है कि शायद हम दोनों बहुत अलग–अलग इंसान थे और साथ ही, शादी सिर्फ इस बारे में नहीं होती कि किसी ने क्या किया या क्या हुआ। मुझे लगता है कि यह इस बारे में है कि आप अपने मन में कहां हैं और आप अपने जीवन में किस पड़ाव पर हैं। और अगर ये भावनाएं एक जैसी नहीं हैं, तो मुझे लगता है कि यह रिश्ता ठीक नहीं बैठता। तलाक की वजह को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, "मुझे लगता है कि हमारे बीच बहुत बड़ी दूरी थी, क्योंकि वह मुंबई में थे और मैं दिल्ली में। और मैं तब भी वही लड़की थी जो अपने माता–पिता के साथ दिल्ली में रहती थी, क्योंकि यही स्थिति थी। और शायद उस समय उनके लिए मुझे छोड़कर मुंबई जाना सही नहीं था और बाद में शाहिद के बिना।"हालांकि, नीलिमा ने बताया कि पंकज ने उनसे उनके इस कदम के बारे में पूछा था। उन्होंने कहा, "मैंने कहा, जाओ, तुम बेहद टैलेंटेड हो३ वह यहां अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे और मैं दिल्ली में थी। इसलिए मुझे लगता है कि सालों की दूरी ने हमें अलग–अलग रास्ते अपनाने पर मजबूर कर दिया।" आखिर में एक्ट्रेस ने कहा कि आर्थिक दृष्टि से उन सभी के लिए एक साथ मुंबई जाना पॉसिबल नहीं था। मैं बहुत छोटी थी, इसलिए मुझे लगता है कि

> "विक्की लालवानी के साथ बातचीत में नीलिमा अजीम ने कहा, "मुझे लगता है कि दुर्भाग्यवश, यही होना था। कोई भी अलग होने के लिए शादी नहीं करता, है ना? वे हमेशा साथ रहने के लिए शादी करते हैं३ लेकिन मुझे लगता है कि शायद हम दोनों बहुत अलग-अलग इंसान थे और साथ ही, शादी सिर्फ इस बारे में नहीं होती कि किसी ने क्या किया या क्या हुआ।

इतनी कम उम्र में यह सब संभालना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। अगर मैं हर पहलू से देखूं, तो मैं हमेशा यही कहती हूं, पता नहीं कितने लोग इसे समझते हैं, लेकिन मुझे कोई पछतावा नहीं है क्योंकि मेरे पास शाहिद हैं। और यही बात ईशान के लिए भी लागू होती है। इसलिए मुझे कोई पछतावा नहीं है।"

# विपुल अमृतलाल शाह की द केरल स्टोरी 2 की शूटिंग हुई पूरी

विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म द केरला स्टोरी के रिलीज ने काफी हलचल मचा दी थी। अपनी प्रभावशाली कहानी के कारण फिल्म ने दर्शकों पर गहरा असर छोड़ा और बेस्ट डायरेक्शन और बेस्ट सिनेमैटोग्राफी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीते। ताजा अपडेट में बताया गया है कि विपुल अमृतलाल शाह की प्रोडक्शन में बनी द केरला स्टोरी 2 को बहुत कड़ी सुरक्षा में शूट किया गया है और यह 27 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली है। द केरला स्टोरी का सिक्वल, जो कि केरल में सेट है, पहले ही शूट हो चुका है। खबरों के मुताबिक, इसमें कहानी पहले से भी गहरी और गंभीर होगी। द केरला स्टोरी 2 के कास्ट और डायरेक्टर की जानकारी अभी गुप्त रखी जा रही है। इस बारे में इंडस्ट्री के एक इंडिपेंडेंट सोर्स ने बताया है कि, "द केरला स्टोरी 2 को बेहद कंट्रोल और सुरक्षित तरीके से शूट किया गया है। प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह नहीं चाहते थे कि शूटिंग के दौरान कोई परेशानी सामने आए।"सोर्स ने आगे बताया, "शूटिंग के दौरान कास्ट और क्रू को अपने फोन का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं थी, ताकि सेट से कोई जानकारी लीक न हो सके।" सोर्स ने यह भी बताया कि एक एग्जीबिटर्स के अनुसार, फिल्म की रिलीज डेट 27 फरवरी 2026 तय कर दी गई है। ये वाकई में मजेदार खबर है, द केरला स्टोरी 2 अब आधिकारिक तौर पर बन रही है। इसके अलावा, द केरला स्टोरी बहुत हिट रही थी। फिल्म ने पहले ही दिन 8 करोड़ से ज्यादा कमाई की। अपनी दूसरी वीकेंड खत्म होने से पहले ही इसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया और दूसरे रविवार को सबसे ज्यादा पैसे कमाए।

# दूसरे बेटे की एआई तस्वीरें वायरल होने पर भड़कीं कॉमेडियन भारती सिंह, कहा-उसका चेहरा तभी दिखेगा, जब हम चाहेंगे

कॉमेडियन और टीवी होस्ट भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिम्बाचिया इसी महीने दूसरे बच्चे के पेरेंट्स बने हैं। भारती ने 19 दिसंबर 2025 को अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है, जिसका निकनेम उन्होंने 'काजू' रखा है। हालांकि, बेबी के जन्म के बाद अब तक भारती और हर्ष ने उसका चेहरा रिवील नहीं किया है। इसी बीच सोशल मीडिया पर 'काजू' की एआई (एआई) तस्वीरें तेजी से वायरल होने लगीं, जिस पर हाल ही में भारती सिंह ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर काजू की कुछ फोटोज वायरल हुई, जिन्हें लेकर दावा किया गया कि ये भारती और हर्ष के नवजात बेटे की तस्वीरें हैं। जब मामला ज्यादा बढ़ा तो भारती ने खुद सामने आकर इन वायरल तस्वीरों की सच्चाई बताई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सोशल मीडिया पर घूम रही ये सभी तस्वीरें एआई (एआई) की मदद से बनाई गई हैं और इनका उनके बेटे से कोई लेना–देना नहीं है। भारती ने अपने व्लॉग के जरिए बताया कि उन्होंने और हर्ष ने जानबूझकर अभी तक बेटे का चेहरा पूरी तरह से कवर रखा है। वे जब भी कोई तस्वीर शेयर करते हैं तो उसमें कार्टून, इमोजी या किसी और तरीके से बच्चे का चेहरा छिपा रहता है। कुछ लोग एआई के जरिए अलग–अलग चेहरे बनाकर उन्हें ईमेल और इंस्टाग्राम पर भेज रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि यही काजू की असली तस्वीरें हैं, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने साफ किया, "जितनी भी एआई से बनी फोटो लोग बना रहे हैं, वो सब फेक हैं। असली काजू हमारे पास सुरक्षित हैं। उनका चेहरा दुनिया को तभी दिखेगा, जब हम चाहेंगे।" भारती ने फैंस से धैर्य रखने की अपील भी की और कहा कि हर माता–पिता को अपने बच्चे की प्राइवेसी तय करने का हक होता है। बता दें, भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया ने साल 2017 में शादी रचाी थी और इसके 5 साल बाद पहले बेटे गोला का स्वागत किया था। वहीं, अब गोला के तीन साल यह कपल दूसरे बच्चे यानी दूसरे बेटे का पेरेंट्स बन गया है।

# विजय देवरकोंडा की 2026 में दुल्हन बनेंगी रश्मिका मंदाना? तय हुई शादी की तारीख

साउथ सिनेमा से जुड़ी एक बड़ी और दिलों की धड़कनें बढ़ा देने वाली खबर सामने आ रही है। लंबे समय से रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहे विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। भले ही दोनों ने अब तक अपने रिश्ते पर खुलकर बात न की हो, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक कपल ने शादी की तारीख, वेन्यू और थीम तक फाइनल कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना साल 2026 में शादी करने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों

की शादी 26 फरवरी 2026 को राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर में हो सकती है। यह वेडिंग एक भव्य हेरिटेज पैलेस में आयोजित की जाएगी, जहां शाही अंदाज और परंपराओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कपल ने उदयपुर की कई ऐतिहासिक प्रॉपर्टीज देखने के बाद एक खास महल को अपनी शादी के लिए फाइनल किया है। एक करीबी सूत्र ने बताया, विजय और रश्मिका ने अपनी शादी के लिए उदयपुर की एक हेरिटेज प्रॉपर्टी चुन ली है। 26 फरवरी को शादी होने की पूरी तैयारी है।हालांकि शादी का अंदाज रॉयल होगा, लेकिन इसका स्वरूप बेहद निजी और इंटीमेट रहने वाला है। कहा जा रहा है कि समारोह में सिर्फ परिवार के सदस्य और बेहद करीबी रिश्तेदार ही शामिल होंगे। फिलहाल यह साफ नहीं है कि शादी के बाद इंडस्ट्री फ्रेंड्स के लिए कोई ग्रैंड रिसेप्शन रखा जाएगा या नहीं। गौरतलब है कि इससे पहले अक्टूबर 2025 में दोनों की सीक्रेट सगाई की खबरों ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। बताया गया था कि यह सगाई बेहद सादगी से, सिर्फ परिवार की मौजूदगी में हुई थी। हालांकि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना में से किसी ने भी अब तक न तो अपने रिश्ते, न सगाई और न ही शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि की है। इसके बावजूद फैंस दोनों को दूल्हा–दुल्हन के रूप में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

# अक्षय खन्ना ने तोड़ा था इस डायरेक्टर की फिल्म का कश्ट्रेक्ट, छह महीने तक बैठाया था खाली, अब निकाली धुरंधर एक्टर पर भड़ास

एक्टर अक्षय खन्ना जहां एक तरफ धुरंधर की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह दृश्यम 3 के विवाद को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले दृश्यम 3 के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर ने अक्षय खन्ना के फिल्म के ऑफर को ठुकराने के फैसले की आलोचना की थी। वहीं, अब दृश्यम 3 के विवाद के बीच फिल्म सेक्शन 375 के राइटर मनीष गुप्ता ने भी अक्षय खन्ना पर अपनी भड़ास निकाली है। मनीष ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया, "2017 में अक्षय ने मेरी फिल्म सेक्शन 375 साइन की थी, जिसमें मैं निर्देशक–लेखक और कुमार मंगत निर्माता थे। उनकी फीस 2 करोड़ रुपये तय की गई थी। उन्होंने 21 लाख रुपये एडवांस लिए और हमारे साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया, लेकिन अचानक उन्होंने अपनी तय तारीखें दूसरी फिल्म द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर को दे दीं और उस फिल्म की शूटिंग के लिए लंदन चले गए, जिससे मैं और मेरी टीम छह महीने तक खाली बैठे रहे!"मनीष ने आगे कहा,"फिर, उस फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद, अक्षय वापस आए और कॉन्ट्रेक्ट में तय किए गए 2 करोड़ रुपये के बजाय 3. 25 करोड़ रुपये की मांग करने लगे। इस तरह उन्होंने कॉन्ट्रेक्ट का उल्लंघन किया। अक्षय की ये अनुचित मांगें यहीं खत्म नहीं हुईं। वे फिल्म पर पूरा कंट्रोल रखना चाहते थे और सब कुछ अपने तरीके से करवाना चाहते थे, लेकिन मैं ऐसा निर्देशक नहीं हूं जो किसी भी एक्टर की मनमानी के आगे झुक जाए। मैंने अक्षय के इस अनुचित व्यवहार का विरोध किया. लेकिन दुख की बात है कि बॉलीवुड में ज्यादातर निर्देशक अभिनेताओं की हर इच्छा के आगे झुक जाते हैं।"मनीष ने बताया, "मेरे जैसे तानाशाह निर्देशक से आदेश लेना अक्षय के अहंकार को ठेस पहुंचा रहा था, इसलिए उसने निर्माता कुमार मंगत पर दबाव डालना शुरू कर दिया कि मुझे फिल्म के निर्देशक पद से हटा दिया जाए और फिल्म का पूरा कंट्रोल उन्हें दे दिया जाए। निर्माता कुमार मंगत ने एक्टर के अनुचित व्यवहार पर लगाम लगाने के बजाय मुझे बलि का बकरा बना दिया और मुझे निर्देशक पद से हटा दिया। साथ ही मेरी पूरी लिखी हुई स्क्रिप्ट और प्री–प्रोडक्शन पर तीन साल की मेहनत से तैयार हार्ड ड्राइव को भी जब्त कर लिया।" अब कुमार मंगत अक्षय के खराब बर्ताव का खामियाजा भुगत रहे हैं। मैंने अक्षय को चेतावनी दी थी कि मैं उसे अदालत में घसीटूंगा और निर्माता कुमार मंगत को दो कानूनी नोटिस भेजे थे। मेरे वकील, नाइक नाइक एंड कंपनी, बॉम्बे हाई कोर्ट में उन दोनों के खिलाफ मुकदमा दायर कर रहे थे, लेकिन कुमार मंगत ने तुरंत मेरे साथ अदालत के बाहर समझौता कर लिया। आज विडंबना यह है कि जब निर्माता कुमार मंगत अजय देवगन स्टारर फिल्म दृश्यम 3 में अक्षय के अनथेकिल बिहेवियर का खामियाजा भुगत रहे हैं. तो मंगत ने अक्षय के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है।"

## घर पर लगा रहे हैं नए साल का कैलेंडर, तो जान लें वास्तु नियम

नया साल आते ही घर या ऑफिस में नया कैलेंडर लगाना सिर्फ तारीख देखने के लिए नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा, सुख–समृद्धि और तरक्की को आमंत्रण देने का भी तरीका माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर कैलेंडर सही दिशा और सही चित्रों के साथ लगाया जाए, तो इसका सीधा असर घर की खुशहाली पर पड़ता है।

कैलेंडर लगाने की सही दिशा

उत्तर या पूर्व दिशा सबसे शुभ मानी जाती है। ये दिशाएं करियर, ग्रोथ और पॉजिटिव एनर्जी से जुड़ी होती हैं। दक्षिण दिशा में कैलेंडर लगाने से बचें। नया साल शुरू होते ही पुराना कैलेंडर हटा देना चाहिए। पुराना कैलेंडर बीते समय और रुकी हुई ऊर्जा का संकेत माना जाता है। पुराना कैलेंडर रखने से तरक्की में बाधा आ सकती है।

कैलेंडर पर बने चित्रों का रखें ध्यान

प्राकृतिक दृश्यः पहाड़, नदी, हरियाली, सूर्योदय, हंसता हुआ बच्चा, फूल, पक्षी देवताओं के सौम्य और शांत चित्र वाले कैलेंडर ही घर में लगाने चाहिए। युद्ध, आग, हिंसा, सूखे पेड़, डूबता सूरज जैसे चित्र अशुभ माने जाते हैं। कैलेंडर को ड्रॉइंग रूम, लिविंग एरिया ऑफिस या वर्क डेस्क के सामने की दीवार पर लगाना चाहिए। बाथरूम, स्टोर रूम, बेड के ठीक ऊपर नहीं लगाना चाहिए।

घर के मुख्य दरवाजे के पास कैलेंडर

मुख्य द्वार के पास कैलेंडर लगाने से समय की पाबंदी, नए अवसर सकारात्मक शुरुआत का संकेत मिलता है। कैलेंडर हमेशा सही तारीख पर रखें, गलत तारीख दिखाना वास्तु दोष माना जाता है। यह जीवन में भ्रम और रुकावट का संकेत देता है। कैलेंडर को लगाने से पहले हल्का सा गंगाजल छिड़कें। मन में सकारात्मक संकल्प लें

ऑफिस के लिए खास वास्तु टिप

ऑफिस में कैलेंडर वर्क डेस्क के सामने वाली दीवार पर लगाएं। इससे समय प्रबंधन और लक्ष्य प्राप्ति आसान होती है। वास्तु के अनुसार घर में लगाया गया कैलेंडर सिर्फ तारीख नहीं दिखाता, बल्कि नए साल में सुख, समृद्धि, तरक्की और सकारात्मक बदलाव भी लाता है।

## कुकर की ढीली रबर से लीक हो रही गैस? 10 मिनट में पाएं समाधान, जानें आसान घरेलू नुस्खा

कुकर की ढीली रबर से गैस निकलने की समस्या को दूर करने के लिए, रबर को निकालकर अच्छी तरह साफ करें और फिर 10–15 मिनट के लिए बर्फ के ठंडे पानी या फ्रीजर में रखें। गर्मी से फैली रबर ठंडी होने पर सिकुड़कर फिर से टाइट हो जाएगी, जिससे खाना जल्दी पकेगा और गैस की बचत होगी।

वैसे तो हम अपनी किचन में कुकर का इस्तेमाल सब्जी बनाने के लिए करते हैं, हालांकि सबसे ज्यादा झुंझलाहट तब होती है जब प्रेशर कुकर की सीटी आने की बजाय किनारो से गैस निकलना शुरु हो जाती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कुकर की रबर ढीली होती है। बता दें कि, रबर में दरारें आ जाती हैं या वह फैल जाती है, तब ये समस्या होती है। जब रबर ढीली हो जाती है तो प्रेशर नहीं बनती है, जिससे खाना पकने में बहुत समय लगता है और गैस की बर्बादी भी काफी होती है। ऐसे में ज्यादातर लोग नया प्रेशर कुकर लेकर आ जाते हैं, लेकिन आप इन घरेलू नुस्खे से आप अपनी पुरानी रबर को 10 मिनट में नहीं जैसी टाइट बना सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कैसे कुकर की रबर को टाइट करें।

क्यों हो जाती है रबर ढीली?

जब रबर गर्मी के संपर्क में आती है, तो उसका लचीलापन खत्म हो जाता है और वह फैल जाती है, रबर पर जमी चिकनाई उसे ढक्कन पर सही से बैठने नहीं देती है। इसके कारण रबर सही से कुकर पर चारों तरफ नहीं चिपक जाती है।

कैसे करें ढीली रबर को टाइट?

इसके लिए आप कुकर के ढक्कन से रबड़ को निकालें और इसे अच्छे तरीके से साफ करें ताकि सारी चिकनाई निकल जाए। अब गहरे बर्तन में ढेर सारा बर्फ लें या एकदम ठंडा पानी लें। अब रबर को उस बर्फ वाले पानी में डुबोकर 10 मिनट के लिए रख दें। इस ट्रिक का प्रयोग आप नहीं करना चाहते, तो आप रबर को सीधे फ्रीजर में 10 से 15 मिनट के लिए रख सकते हैं। ठंड के कारण रबर के मॉलिक्यूल सिकुड़ने लगेंगे। जिससे फैली हुई रबर फिर से अपनी पुरानी शेप में आ जाती है और टाइट हो जाती है। यदि रबर ज्यादा ही पुरानी है और हल्की सी ढीली है तो आप ढक्कन के किनारे पर थोड़ा सा गुंथा हुआ आटा लगा सकते हैं। यह एक प्रकार से अस्थाई टेप की तरह काम करेगा और गैस को बाहर निकलने से रोक देगा।

इस बात का ध्यान रखें कि कभी भी रबर को धूप में ना रखें। खाना बनाने के बाद रबर को हमेशा निकालकर साफ करना भूलें। इसके अलावा, रबर पर हल्का सा खाने वाला तेल लगाकर रखें। इससे इसका लचीलापन बना रहता है। यदि रबर में कट लग गया है, तो इसे आप तुरंत बदल दें।

# डांट की जगह प्यार, मोबाइल की जगह पढ़ाई... बच्चों के लिए पेरेंट्स लें ये न्यू ईयर रेजोल्यूशन

नया साल सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि पेरेंट्स के लिए भी आत्ममंथन का समय होता है। अगर माता–पिता कुछ अच्छे रेजोल्यूशन्स अपनाएं, तो बच्चों की परवरिश और भविष्य दोनों बेहतर बन सकते हैं। आज के समय में परफेक्ट पेरेंट नहीं, प्रेजेंट पेरेंट बनना जरूरी है। जब माता–पिता बदलते हैं, तो बच्चे खुद–ब–खुद बेहतर बनते हैं।

बच्चों को समय देने का रेजोल्यूशन

आज की भागदौड़ में सबसे ज्यादा कमी क्वालिटी टाइम की होती है। रोज कम से कम 30 मिनट बिना मोबाइल बच्चों के साथ बिताएं, उनकी बातें ध्यान से सुनें। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चे देखकर सीखते हैं। खुद का स्क्रीन टाइम कम करें, खाने और बात करते समय मोबाइल दूर रखें। इससे बच्चों में डिजिटल लत से बचाव होगा

हेल्दी खानपान की आदत खुद अपनाएंगे

जंक फूड कम करें। घर के खाने को प्राथमिकता दें। बच्चा भी वही खाएगा जो माता–पिता खाते हैं। उन्हें नेचर से जोड़ें। बच्चों को कृतज्ञता, विनम्रता सिखाने से अच्छे संस्कार विकसित होते हैं

बच्चों की नींद को प्राथमिकता देंगे

इस बात का प्रण लें कि देर रात मोबाइल,टीवी की आदत नहीं फिक्स स्लीप रूटीन अपनाएंगे। इससे बच्चे की ग्रोथ, इम्युनिटी और पढ़ाई पर असर पड़ता है। उनकी फीलिंग्स को नजरअंदाज ना करें ,डर, गुस्सा, उदासी पर खुलकर बात करें। इससे बच्चा इमोशनली मजबूत बनता है

तुलना करना बंद करेंगे

किसी और बच्चे से अपने बच्चे की तुलना ना करें। बच्चे की यूनिक पहचान को स्वीकार करेंगे। इससे मेंटल प्रेशर और हीन भावना नहीं आती। बच्चे को नंबर से ज्यादा सीखाने पर फोकस करें। गलती पर डांट नहीं, समझाएं, इससे सीखने का डर खत्म होता है। सिर्फ सख्ती नहीं प्यार और नियम दोनों का संतुलन। इससे बच्चा बात छुपाने की बजाय शेयर करना सीखेगा।

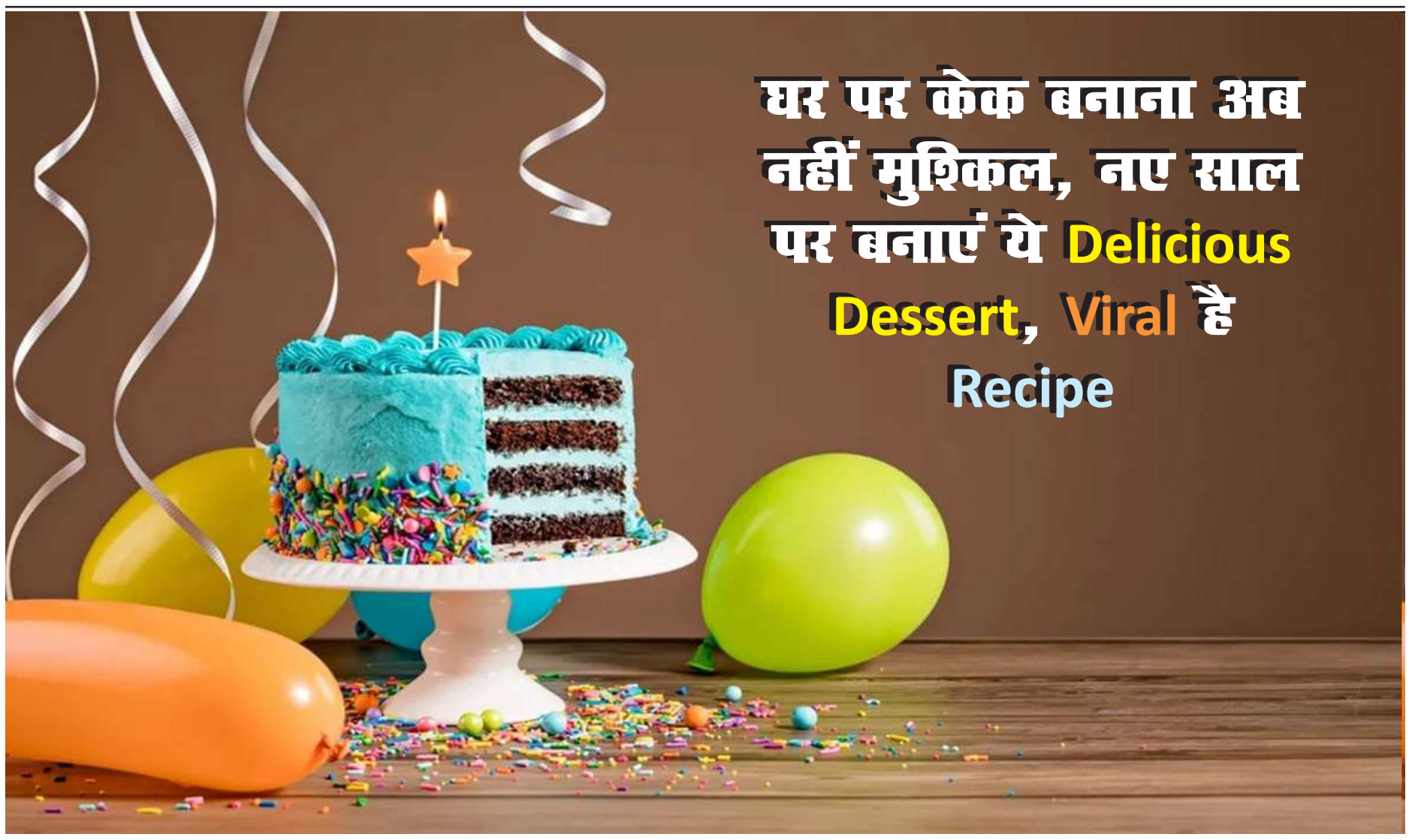

## घर पर केक बनाना अब नहीं मुश्किल, नए साल पर बनाएं ये Delicious Dessert, Viral है Recipe

आज हम आपको एक ऐसे केक की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको आप घर पर बेहद आसान तरीके से बना सकती हैं। घर पर बना केक न सिर्फ स्वाद में जबरदस्त होता है, बल्कि इसमें आपकी मेहनत और प्यार भी शामिल होता है।

नया साल अपने साथ ढेरों उम्मीद और खुशियां लेकर आता है। इस मौके पर लोग नए साल का जश्न अलग–अलग तरीके से मनाते हैं। वहीं कई लोग घर पर अलग–अलग तरीके के पकवान बनाते हैं। खासतौर पर न्यू ईयर के मौके पर मार्केट में तरह–तरह के केक मिलते हैं। लेकिन मार्केट का केक खाने से सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने घर में आसानी से केक बनाकर तैयार कर सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी इन न्यू ईयर घर पर केक बेक करना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे केक की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको आप घर पर बेहद आसान तरीके से बना सकती हैं। घर पर बना केक न सिर्फ स्वाद में जबरदस्त होता है, बल्कि इसमें आपकी मेहनत और प्यार भी शामिल होता है। वहीं आप इसमें अपनी पसंद के फ्लेवर और टॉपिंग कस्टमाइज कर सकती हैं।

सामग्री

मैदा – 1 कप
चीनी पाउडर – ½ कप
दूध – ½ कप
रिफाइंड तेल / बटर – ½ कप
बेकिंग पाउडर – 1 छोटा चम्मच
बेकिंग सोडा – ½ छोटा चम्मच
वेनिला एसेंस – ½ छोटा चम्मच
सिरका या नींबू का रस – 1 छोटा चम्मच

ऐसे बनाएं केक

सबसे पहले एक बाउल में मैदा, बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर को मिला लें। इससे केक का बैटर स्मूद रहेगा और इसमे कोई गांठ नहीं बनेगी। फिर दूसरे बाउल में पिसी हुई चीनी, दूध, तेल या बटर, पिसी हुई चीनी और वेनिला एसेंस डालकर अच्छे से तब तक मिलाएं, जब तक कि चीनी पूरी तरह से घुल न जाए।

फिर गीली सामग्री में धीरे–धीरे तैयार की गई सूखी सामग्री में मिलाएं। अब हल्के हाथों से फोल्ड करें और ध्यान रखें कि बैटर को ज्यादा न फेटें, वरना आपका केक हार्ड हो सकता है। जब बैटर स्मूद हो जाए, तो लास्ट में नींबू या सिरका डालें और हल्के हाथ से मिक्स करें। इसके बाद केक टिन को ग्रीस कर उसमें बैटर डालें। अब पहले से गर्म किए हुए ओवन में 10 डिग्री सेल्सियस पर करीब 30–35 मिनट के लिए बेक करने को रख दें। फिर टूथपिक की मदद से केक को चेक करें और अगर टूथ पिक साफ निकल आए, तो इसका मतलब है कि केक तैयार है। अब केक को ठंडा होने के लिए रख दें और ऊपर से आप चॉकलेट, क्रम या फिर अपनी पसंद की टॉपिंग से सजाकर सर्व करें।

## फिट होने पर भी हो सकता है फैटी लिवर, डॉक्टर ने बताई असली वजह और बचाव के खास उपाय

ज्यादातर लोग मानते हैं कि फैटी लिवर सिर्फ मोटापे या खराब लाइफस्टाइल वाले लोगों को होता है। लेकिन सच्चाई यह है कि कई बार बिल्कुल फिट दिखने वाले लोग भी फैटी लिवर का शिकार बन जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो पतले या सामान्य वजन वाले लोगों में भी नॉन–ओबेस फैटी लिवर काफी तेजी से बढ़ रहा है। यह इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि ऐसे लोग इस समस्या को पहचान नहीं पाते हैं। जिस कारण यह बीमारी धीरे–धीरे गंभीर रूप ले लेती है।

फिट दिखना अंदरूनी सेहत का संकेत नहीं

सबसे बड़ी वजह यह है कि फिट दिखना हमेशा अंदरूनी सेहत का संकेत नहीं होता है। कुछ लोग बाहर से दुबले–पतले दिखाई देते हैं, लेकिन उनके शरीर में विजरल फैट का मात्रा ज्यादा होती है। यह छिपा हुआ फैट लिवर में जाकर ट्राइग्लिसराइड्स जमा करता है। फिर धीरे–धीरे यह फैटी लिवर का रूप ले लेता है। इसके अलावा असंतुलित खानपान, नींद की कमी, जेनेटिक फैक्टर, कम प्रोटीन और उच्च कार्ब डाइट, हल्की–फुल्की शारीरिक एक्टिविटी और बार–बार बाहर के खाने की भी प्रमुख भूमिका होचती है। फ्राइड फूड, शुगर और प्रोसेस्ड आइटम्स शामिल होता है। जोकि लिवर पर सीधा असर डालती है। वहीं पतले लोगों में एल्कोहल सेवन भी फैटी लिवर का आम कारण है। भले ही शरीर फिट दिखे, लेकिन नियमित शराब का सेवन लिवर में फैट जमा करती है और सूजन बढ़ाकर फाइब्रोसिस का खतरा बढ़ाती है। इस तरह से इंसुलिन रेसिस्टेंस, थायरॉयड असंतुलन और पीसीओएस जैसी स्थिति दुबले–पतले लोगों में फैटी लिवर की वजह बन सकती है।

बचाव

सबसे पहले हर व्यक्ति को साल में कम से कम एक बार लिवर फंक्शन टेस्ट और अल्ट्रासाउंड करवाना चाहिए। फिर चाहे वह कितना भी हेल्दी और फिट क्यों न दिखता हो। साथ ही डाइट में शुगर युक्त पेय, रिफाइंड कार्ब्स, जंक फूड और डीप फ्राइड स्नैक्स का कम रखें। फल, प्रोटीन, हरी सब्जियां, ओमेगा 3 और फाइबर युक्त भोजन लें। रोजाना कम से कम 30–40 मिनट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, ब्रिस्क वॉक जरूर करना चाहिए। क्योंकि यह एक्सरसाइज लिवर में जमे फैट को घटाता है। इसके अलावा तनाव कम करें, शराब का सेवन न्यूनतम रखें और नींद पूरी लें।

## संक्षिप्त

### खुदरा कर्ज में चूक का बड़ा हिस्सा बिना गारंटी वाले कर्ज का निजी बैंक आगे: RBI

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि क्रेडिट कार्ड और व्यक्तिगत ऋण जैसे असुरक्षित माने जाने वाले कर्जों के पुनर्भुगतान में चूक अब कुल खुदरा कर्ज पुनर्भुगतान चूक का आधा से अधिक हो चुकी है। आरबीआई की छमाही वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक, निजी क्षेत्र के बैंकों में इस तरह के असुरक्षित कर्जों में दबाव सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तुलना में अधिक देखा जा रहा है। हालांकि, समग्र स्तर पर बिना गारंटी वाले खुदरा कर्ज का सकल गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात 1.8 प्रतिशत पर बना हुआ है जो कुल खुदरा कर्जों के 1.1 प्रतिशत एनपीए अनुपात के मुकाबले अभी भी स्थिर माना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, असुरक्षित खुदरा कर्जों में चूक के मामले अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल खुदरा कर्ज चूक का 53.1 प्रतिशत रहे। वहीं बैंक समूहों के बीच, निजी बैंकों की हिस्सेदारी इसमें सबसे अधिक रही। आरबीआई ने कहा कि निजी बैंकों के कुल कर्ज भुगतान चूक में 76 प्रतिशत हिस्सा बिना गारंटी वाले कर्ज का रहा, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में यह हिस्सेदारी सिर्फ 15.9 प्रतिशत रही। केंद्रीय बैंक ने इस क्षेत्र में वित्तीय–प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों की भूमिका का भी उल्लेख करते हुए कहा कि जिन उधारकर्ताओं ने पांच या उससे अधिक संस्थानों से बिना गारंटी वाले कर्ज ले रखे हैं, उनमें कर्ज चुकाने में कमजोरी ज्यादा पाई गई। रिपोर्ट के अनुसार, फिनटेक कंपनियों के कुल कर्ज पोर्टफोलियो में 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बिना गारंटी वाले कर्ज का है और इनमें से आधे से अधिक कर्ज 35 वर्ष से कम उम्र के कर्जदारों को दिए गए हैं। सितंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच फिनटेक कंपनियों के कर्ज में 36.1 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें व्यक्तिगत कर्ज का हिस्सा सबसे अधिक रहा। आरबीआई ने कहा कि बैंकों के स्तर पर बिना गारंटी वाले खुदरा कर्ज में वृद्धि के संकेत दोबारा दिखने लगे हैं जबकि बड़ी कंपनियों को दिया जाने वाला कर्ज अभी भी सुस्त बना हुआ है।

### रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 89.99 प्रति डॉलर पर

रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 89.99 प्रति डॉलर आ गया। इसके साथ ही विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण रुपये की नए साल की शुरुआत नकारात्मक रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया 2026 में चुनौतियों और सुरक्षा दोनों के साथ प्रवेश कर रहा है। वैश्विक अनिश्चितता बनी हुई है हालांकि भारत के मजबूत व्यापक आर्थिक कारक और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार इसे स्थिरता प्रदान करते रहेंगे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.94 पर खुला। फिर थोड़ा कमजोर होकर 89.99 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को 2025 के अंतिम कारोबारी सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.88 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.32 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 194.38 अंक चढ़कर 85,414.98 अंक पर जबकि निफ्टी 47.55 अंक की बढ़त के साथ 26,177.15 अंक पर पहुंच गया था। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60.85 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,597.38 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

### आरबीआई कर्मचारी नियामकीय संतुलन बनाए रखें, ग्राहक–केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएं: गवर्नर संजय मल्होत्रा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को केंद्रीय बैंक के कर्मचारियों से नए साल में नियामकीय संतुलन बनाए रखने और निगरानी व्यवस्था को और सख्त करने का आह्वान किया। मल्होत्रा ने कर्मचारियों को भेजे अपने वार्षिक संदेश में कहा कि ग्राहक–केंद्रित दृष्टिकोण और वित्तीय समावेश आरबीआई के कामकाज के

केंद्र में बने रहने चाहिए। उन्होंने कहा, हमें मौद्रिक नीति के ढांचे को मजबूत करने, निगरानी को तेज करने, नियमों को परिस्थितियों के अनुरूप ढालने, वित्तीय बाजारों को विस्तार देने और भुगतान एवं मुद्रा प्रबंधन में सुधार पर ध्यान देना होगा। आरबीआई गवर्नर ने कर्मचारियों से अपने ज्ञान को लगातार बढ़ाने, विश्लेषण क्षमता को मजबूत करने, प्रौद्योगिकी को अपनाने और प्रक्रियाओं में लगातार सुधार करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते आर्थिक एवं वित्तीय परिदृश्य, प्रौद्योगिकी में बदलाव, वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम और बढ़ती जन–अपेक्षाओं के बीच रिजर्व बैंक की जिम्मेदारियां आने वाले समय में और बढ़ेंगी। मल्होत्रा ने कहा, रिजर्व बैंक को हमेशा अपने लोगों से असली ताकत मिली है और हमारा विश्वास है कि उनका काम भले ही प्रत्यक्ष रूप से दिखाई न दे, लेकिन देश के लिए इसका महत्व गहरा है। उन्होंने कहा कि तकनीकी दक्षता के साथ–साथ ईमानदारी, स्वतंत्रता, दक्षता, विनम्रता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता जैसे संस्थागत मूल्यों को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

# टी20 विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान, कमिंस की वापसी, पंजाब किंग्स के स्टार को नहीं मिली जगह

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी अस्थायी (प्रोविजनल) टीम का एलान कर दिया है। इस टीम में तेज गेंदबाज पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की वापसी हुई है, जबकि पंजाब किंग्स (च्छज्ञै) के लिए खेलने वाले ऑलराउंडर मिचेल ओवेन को टीम में जगह नहीं मिली। चयनकर्ताओं ने इस बार स्पिन को खास तवज्जो देते हुए संतुलित स्क्वॉड चुना है।

एशेज में चोटों से जूझे कमिंस–हेजलवुड

एशेज सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा था, जब टेस्ट कप्तान पैट कमिंस और अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल हो गए थे। कमिंस लोअर बैक की समस्या के कारण पांच में से सिर्फ एक टेस्ट (एडिलेड) ही खेल पाए थे, जबकि हेजलवुड एचिलीज इंजरी के चलते पूरी सीरीज से बाहर रहे। अब दोनों खिलाड़ियों की फिटनेस में सुधार हुआ है और उन्हें वर्ल्ड कप स्क्वॉड में शामिल किया गया है। कमिंस की इस महीने के अंत में एक और स्कैन रिपोर्ट आएगी, जिससे उनकी उपलब्धता की अंतिम पुष्टि होगी।

चयनकर्ता जॉर्ज बेली का बयान

मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने टीम के चयन पर भरोसा जताते हुए कहा, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और टिम डेविड अच्छी रिकवरी कर रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि वे वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध होंगे। यह शुरुआती टीम है और जरूरत पड़ने पर सपोर्ट पीरियड से पहले बदलाव किए जा सकते हैं।

स्पिन पर खास फोकस

ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप स्टेज के सभी मुकाबले श्रीलंका में खेले जाने हैं, जहां स्पिन–फ्रेंडली पिचों की उम्मीद है। इसी को ध्यान में रखते हुए टीम में एडम जैम्पा के साथ–साथ लेफ्ट आर्म स्पिनर मैथ्यू कुहनेमान और कूपर कोनोली को शामिल किया गया है। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल भी पार्ट–टाइम स्पिन का विकल्प देंगे।

पंजाब किंग्स के स्टार मिचेल

ओवेन बाहर

सबसे चौंकाने वाला फैसला मिचेल ओवेन को टीम से बाहर रखना रहा। ऑलराउंडर ओवेन को हाल ही में आईपीएल 2026 से पहले पंजाब किंग्स ने रिटेन किया था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड में जगह नहीं मिल सकी। इसके अलावा जोश इंग्लिस के लिए कोई बैक–अप विकेटकीपर नहीं चुना गया और मिचेल स्टार्क के संन्यास के बाद कोई लेफ्ट–आर्म तेज गेंदबाज भी शामिल नहीं किया गया।

तेज गेंदबाजी की कमान

तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई पैट कमिंस और जोश हेजलवुड करेंगे। उनके साथ नाथन एलिस और जेवियर बार्टलेट होंगे, जबकि कैमरन ग्रीन और मार्कस स्टोइनिस ऑलराउंडर के रूप में टीम को मजबूती देंगे। ऑस्ट्रेलिया अपना पहला मुकाबला 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा। वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ एक अलग टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी।

टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम: मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमान, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जैम्पा।

# एशेज के बाद संन्यास लेंगे ऑस्ट्रेलियाई ओपनर उस्मान ख्वाजा ? पूर्व कप्तान क्लार्क का बड़ा बयान

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने चौथे एशेज टेस्ट के दौरान अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 8000 रन पूरे कर लिए। 39 वर्षीय ख्वाजा के लिए यह उपलब्धि भले ही खास रही हो, लेकिन मौजूदा एशेज सीरीज उनके लिए यादगार नहीं रही है। इस सीरीज में उनके स्कोर 2, 82, 40, 29 और 0 रहे हैं, जो उनके अनुभव और कद के हिसाब से निराशाजनक माने जा रहे हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि पांचवां एशेज टेस्ट उस्मान ख्वाजा के करियर का आखिरी टेस्ट हो सकता है। उन्होंने कहा कि ख्वाजा के पास सम्मान के साथ संन्यास लेने का बेहतरीन मौका है।

माइकल क्लार्क ने दी संन्यास की सलाह

क्लार्क ने कहा, श्मुझे लगता है कि यह उस्मान का विदाई टेस्ट होगा। यह कोई टोकन सिलेक्शन नहीं है। अगर उन्हें मेलबर्न में खिलाया गया है, तो सिडनी में भी उन्हें मौका मिलेगा, लेकिन मुझे लगता है कि इस टेस्ट के बाद वह संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रेलिया सीरीज जीतेगा और उम्मीद है कि ख्वाजा बड़े स्कोर के साथ विदा लें। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में शतक लगाकर संन्यास लेना किसी भी खिलाड़ी के लिए सपने जैसा होता है।श

चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की करारी हार

माइकल क्लार्क की यह प्रतिक्रिया चौथे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की शर्मनाक हार के बाद आई है। यह मुकाबला महज दो दिनों में खत्म हो गया, जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम दोनों पारियों में 152 और 132 रन पर सिमट गई। पूरी टीम में कोई भी बल्लेबाज 50 रन तक नहीं पहुंच सका, जो घरेलू मैदान पर बेहद चिंताजनक प्रदर्शन माना जा रहा है।

मैथ्यू हेडन का टॉप ऑर्डर पर हमला

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ओपनर मैथ्यू हेडन ने भी टीम की बल्लेबाजी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के स्कोरकार्ड को अस्वीकार्य बताया और टॉप ऑर्डर की तकनीक पर सवाल उठाए। हेडन ने कहा, श्यह स्कोरकार्ड बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि पिच पर 50 मिलीमीटर घास थी। बल्लेबाजों को इससे बेहतर खेलना होगा। लाबुशेन, ख्वाजा, कैमरन ग्रीन जैसे खिलाड़ी अपनी बुनियादी तकनीक से जूझते दिखे।

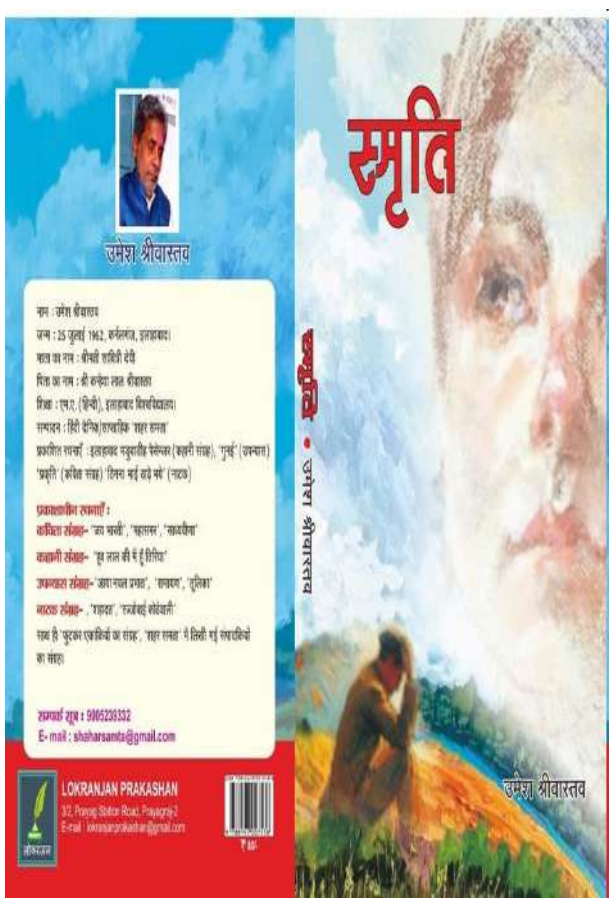


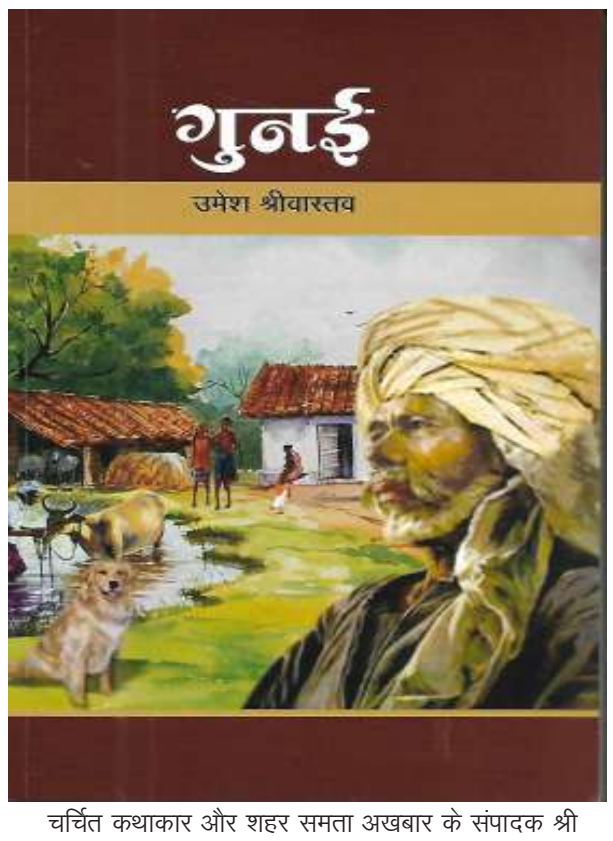


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

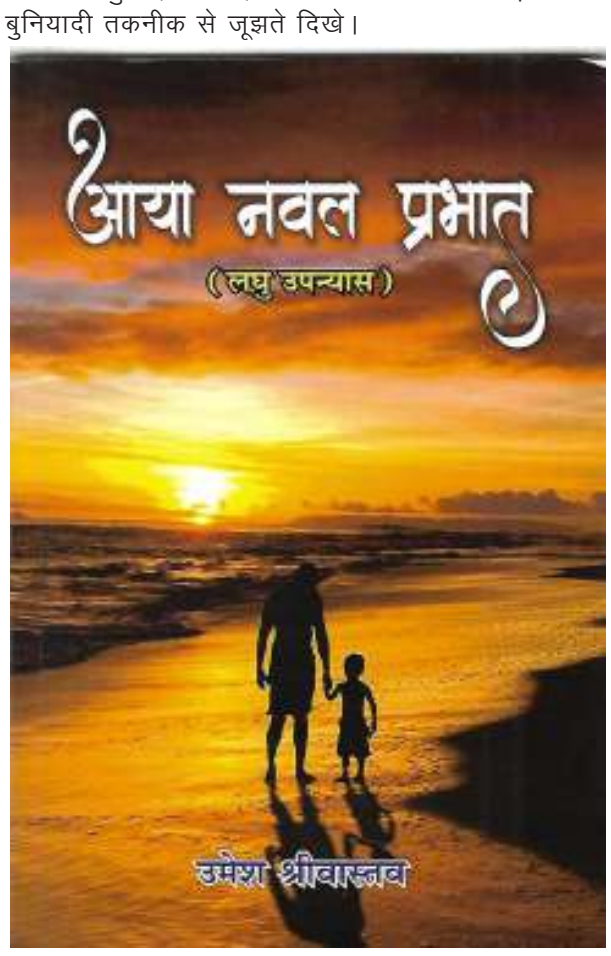


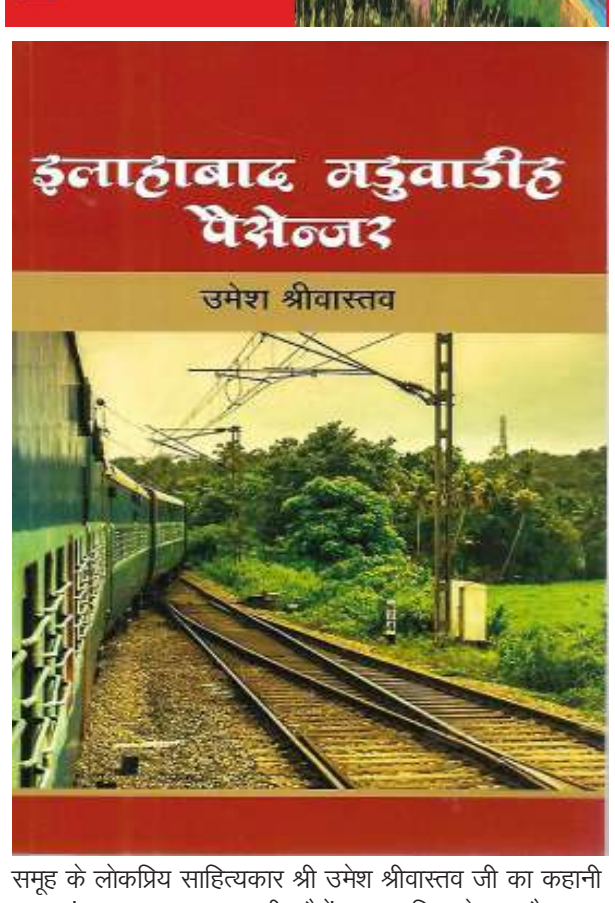


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

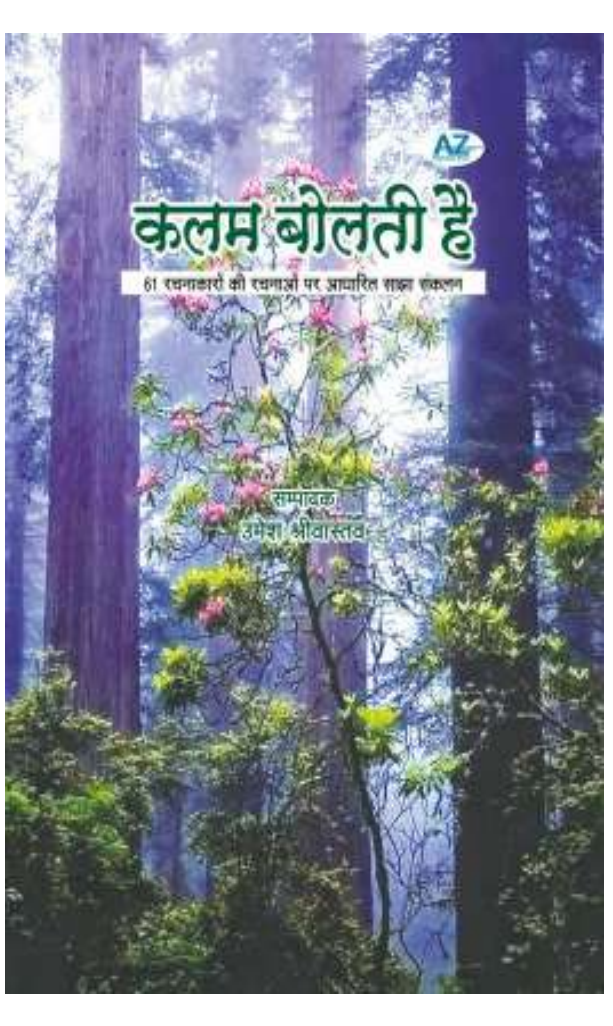


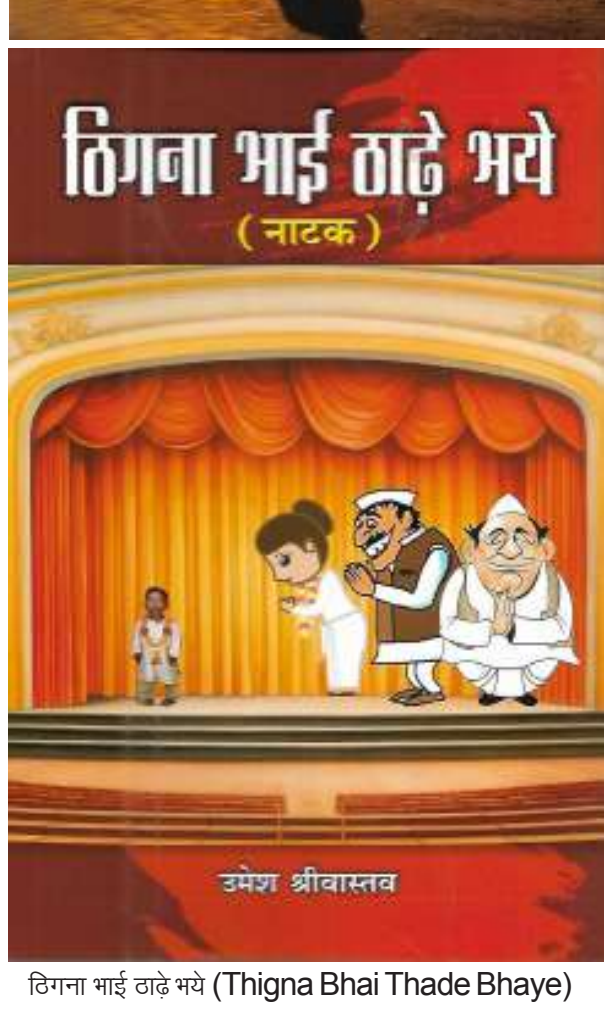


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### सगे भतीजे को दामाद बनाया, भाई बना समधी, मुनीर ने अपनी बेटी का निकाह करवाया

पाकिस्तान में एक शादी की चर्चा हर गली चौराहे पर हो रही है। यह शादी ऐसी थी जो चोरी–छिपे की गई। किसी को कानों कान खबर तक नहीं मिली। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल मुल्ला मुनीर ने अपनी तीसरी बेटी का निकाह कर दिया। पूरे पाकिस्तान में उसे ढंग का दूल्हा नहीं मिला तो अपने सगे भतीजे से ही बेटी का निगाह रच डाला। इस्लामिक मान्यता के मुताबिक इसमें कोई गलत बात नहीं है। दरअसल, पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर के लिए निकाह भी उसके कब्जे का प्लान का हिस्सा होता है। अपनी तीसरी बेटी की शादी कर मुनीर ने क्लियर कर दिया है कि उसका जो भी कदम है वो पाकिस्तान

को कंट्रोल करने का है। मुल्ला मुनीर की बेटी मनहूर की जिससे शादी हुई है उसका पति भी आर्मी में था और अब आर्मी के कोटे से कमिश्नर है। आपको बता दें मुनीर की बेटी का निकाह जिसके साथ हुआ उसे लेकर पाकिस्तान की आवाम गुस्से में है। मुल्ला मुनीर की चार बेटियां हैं। दो की शादी पहले ही हो चुकी है और तीसरी है जिसका निकाह मुनीर ने अपने ही सगे भाई कासिम मुनीर के बेटे से किया। मुनीर के न्यू सन इन लॉ का नाम अब्दुल रहमान है। दरअसल, अब्दुल रहमान पहले पाकिस्तान सेना में कैप्टन के पद पर तैनात था। बाद में सिविल सर्विस जॉइ की। फिलहाल सेना के अधिकारियों के लिए आरक्षित कोटों के तहत असिस्टेंट कमिश्नर के रूप में कार्यरत है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुनीर की तीसरी बेटी मेहनूर का निकाह 26 दिसंबर को रावलपिंडी में हुआ। शादी से जुड़ी कोई भी आधिकारिक तस्वीर सार्वजनिक नहीं की गई। लेकिन शादी समारोह भी किसी होटल या मैरिज हॉल में नहीं किया गया था बल्कि आसिम मुनीर के सरकारी आवास में आयोजित किया गया। पाकिस्तान के पत्रकार जाहिद गिशकोरी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। मुनीर की बेटी की मैरिज में कुछ भी खास नहीं रहा। सिवाय मुनीर के ताकत के प्रदर्शन के और पाकिस्तानी आर्मी पर पकड़ के प्रदर्शन के। पाकिस्तान में कहा जा रहा है कि आसिम मुनीर की अपनी बेटी की शादी सगे भतीजे से कराने के पीछे एक साजिश है। वो यह कि मुनीर पाकिस्तान सेना पर एक परिवार की जड़े जमाना चाहता है।

### जीत के साथ होगी खत्म...नए साल पर पुतिन का ऐलान, सुनकर ट्रंप भी हैरान

73 साल के व्लादमीर पुतिन जिस स्वैग में नए साल पर दिखे, वह अंदाज बताता है वह अपनी 4 साल पुरानी धुन में कायम है। उनकी धुन के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप क्या सोचते हैं या ट्रंप से मीटिंग में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलादमीर जेलस्की क्या प्लान करते हैं? पुतिन को कतई परवाह नहीं है। दोनों की मुलाकात से पहले ही पुतिन ने यूक्रेन पर फुल स्केल अटैक का आर्डर दे दिया। अटैक के बाद पुतिन का मैसेज रूस की शर्त मानो या फिर झेलो। पुतिन का वो अटैक ट्रंप और जेलस्की की मीटिंग में बड़ा मसला था। लेकिन ट्रंप ने इसे तवज्जो नहीं दी। जैसा ट्रंप को पुतिन का अंदाज पता है। यह शख्स शांति समझौता भी करेगा तो अपनी शर्तों पर उससे कम

पर पुतिन को कुछ भी मंजूर नहीं। भले ही यूक्रेनी राष्ट्रपति आखिरी सांस तक लड़ने का जज्बा रखते हो। नए साल से पहले मीटिंग से लौटे जेलेंस्की पुतिन पर सीधे मल्टी ड्रोन अटैक का आर्डर देते हो। अटैक के बाद रूस ने दावा किया कि यूक्रेन ने 91 ड्रोन से पुतिन के आवास पर अटैक किया। यानी सीधे जान लेने की कोशिश। इसे ट्रंप ने भी यूक्रेन की बुरी चाल बताया। हालांकि ट्रंप ने एक मध्यस्थ की तरह ड्रोन हमले की पुष्टि नहीं की। ट्रंप ने कहा कि हो सकता है कि हमला हुआ ही ना हो लेकिन रूस ने ड्रोन अटैक का वीडियो जारी कर जेलस्की की असली मंशा जाहिर की। यूक्रेन के ड्रोन अटैक के बाद पुतिन की यह पहली एंट्री थी। वैसे तो पुतिन हर नए साल पर अपने राष्ट्र और इसके लिए लड़ रही सेना के नाम संदेश देते हैं। लेकिन इस बार बॉडी लैंग्वेज अलग नजर आया। पुतिन ने अपने नए साल के संदेश में साफ कर दिया कि 2026 में अपने स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम तक पहुंचाएंगे। और रूसी साम्राज्य के 1000 साल के इतिहास और गौरव को यूक्रेन विजय के साथ पूरा करेंगे। इस बात को ट्रंप और दूसरे यूरोपीय देश अच्छी तरह समझ चुके हैं कि पुतिन 2026 में इस जंग को अंतिम अंजाम तक पहुंचाने की कमर कस चुके हैं।

### पाकिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने पर 'ठोस व निर्णायक' प्रतिक्रिया दी जाएगी : मुनीर

पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने बुधवार को कहा कि देश की क्षेत्रीय अखंडता का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी उल्लंघन होने पर "ठोस व निर्णायक" प्रतिक्रिया दी जाएगी। सेना ने एक बयान में कहा कि मुनीर ने रावलपिंडी में स्थित 'जनरल हेडक्वार्टर्स' (जीएचक्यू) में बलूचिस्तान पर आयोजित 18वीं राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रतिभागियों के साथ बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# नए साल पर स्विट्जरलैंड के Crans-Montana के बार में हुआ भयानक धमाका, कई लोगों के मौत की आशंका

स्विट्जरलैंड में नए साल की पूर्व संध्या पर एक लग्जरी बार में हुए धमाके के बाद लगी भीषण आग में कई लोग मारे गए हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, क्रान्स–मोंटाना के स्की रिसॉर्ट शहर में ले कॉन्स्टेलेशन बार एंड लाउंज में हुए इस धमाके में कई लोग घायल भी हुए हैं।

स्की रिज़ॉर्ट शहर में एक जानलेवा धमाके में कई लोग मारे गए

पुलिस ने बताया कि गुरुवार तड़के क्रैंस–मोंटाना के स्की रिज़ॉर्ट शहर में एक जानलेवा धमाके में कई लोग मारे गए और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि यह धमाका, जिससे आग भी लगी, एक लग्ज़री अल्पाइन स्की रिज़ॉर्ट के अंदर एक बार में हुआ। क्रैंस–मोंटाना पर्यटकों, खासकर ब्रिटिश नागरिकों के बीच काफी मशहूर है, और यह स्विट्जरलैंड के सिएरे ज़िले में स्थित है, जो राजधानी बर्न से लगभग दो घंटे की दूरी पर है। यह धमाका ऐसे समय हुआ जब लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए क्रैंस–मोंटाना में इकट्ठा हुए थे।

अज्ञात कारणों से धमाका हुआ

स्विट्जरलैंड पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, धमाके की सूचना सुबह करीब 1.30 बजे (स्थानीय समय) (00:30 GMT) ले कॉन्स्टेलेशन बार में मिली, जो पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है और धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। दक्षिण–पश्चिमी स्विट्जरलैंड के वालिस कैंटन में पुलिस प्रवक्ता गैटन लैथियन ने कहा, अज्ञात कारणों से धमाका हुआ है। कई लोग घायल हुए हैं, और कई लोगों की मौत हुई है।

धमाका बार के बेसमेंट में हुआ, जिसमें लगभग 400 लोग आ सकते हैं

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, धमाका बार के बेसमेंट में हुआ, जिसमें लगभग 400 लोग आ सकते हैं। हालांकि अधिकारियों ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि इस घटना में कितने लोग मारे गए, लेकिन कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि मरने वालों की संख्या 2012 में स्विट्जरलैंड में हुए सिएरे कोच दुर्घटना जितनी हो सकती है, जिसमें 28 लोगों की जान चली गई थी। इस बीच, क्रैंस–मोंटाना में धमाके के बाद बार में लगी आग की तस्वीरें और वीडियो X (जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था) पर वायरल हो गए हैं।

क्रैंस–मोंटाना एक बहुत लोकप्रिय पर्यटन स्थल

खूबसूरत स्विस आल्प्स के बीच में स्थित क्रैंस–मोंटाना एक बहुत लोकप्रिय पर्यटन स्थल है और स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और गोल्फ जैसी गतिविधियों के लिए दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह स्की रिज़ॉर्ट स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न से लगभग दो घंटे की दूरी पर है। यह घटना जिनेवा के बीचों–बीच स्विट्जरलैंड के सबसे पुराने लग्ज़री होटल में आग लगने के कुछ महीने बाद हुई है। मशहूर फोर सीजन्स होटल डेस बर्गेस, जो 1834 में खुला था और एक महत्वपूर्ण लैंडमार्क माना जाता है, में लगी आग में कई लोग घायल हो गए थे। हर साल, स्विट्जरलैंड जंगल की आग की समस्या से जूझता है, खासकर गर्म और शुष्क मौसम में। दरअसल, 2001 से 2024 के बीच, स्विट्जरलैंड में आग लगने की वजह से 3: से ज़्यादा जंगल खत्म हो गए।

# डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा फैसला: शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड से नेशनल गार्ड हटाने का किया ऐलान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि नेशनल गार्ड को शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड से हटा लिया जाएगा। ट्रुथ सोशल पर अपने फैसले की घोषणा करते हुए, 79 वर्षीय रिपब्लिकन नेता ने कहा कि नेशनल गार्ड की मौजूदगी से ऊपर बताए गए शहरों में अपराध को काफी कम करने में मदद मिली है, और कहा कि अगर फेडरल सरकार ने दखल नहीं दिया होता तो वे श्चले गएश होते। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड में अपराध फिर से बढ़ता है तो नेशनल गार्ड को फिर से तैनात किया जा सकता है। ट्रंप ने कहा ष्हम वापस आएंगे, शायद बहुत अलग और मजबूत रूप में, जब अपराध फिर से बढ़ने लगेगा – यह सिर्फ समय की बात है! यह विश्वास करना मुश्किल है कि ये डेमोक्रेट मेयर और गवर्नर, जो सभी बहुत अक्षम हैं, चाहेंगे कि हम चले जाएं, खासकर उस बड़ी प्रगति को देखते हुए जो हुई है?

नेशनल गार्ड की तैनाती और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला

ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल जून से कई शहरों में अपराध और स्थानीय कानून प्रवर्तन निकायों की कानून–व्यवस्था बनाए रखने में अक्षमता का हवाला देते हुए नेशनल गार्ड की तैनाती शुरू की थी। उन जजों की आलोचना के बावजूद, जो दावा करते हैं कि ट्रंप प्रशासन ने अपनी अथॉरिटी का उल्लंघन किया है, राष्ट्रपति ने कहा कि अपराध से लड़ने और फेडरल संपत्ति की रक्षा के लिए तैनाती जरूरी थी। हालांकि, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 24 दिसंबर को ट्रंप प्रशासन को शिकागो इलाके में नेशनल गार्ड तैनात करने से मना कर दिया, जहां एक इमिग्रेशन प्रवर्तन अभियान चल रहा था, जिससे कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। यह फैसला तीन जजों – सैमुअल अलिटो, क्लेरेंस थॉमस और नील गोरसच ने दिया था। कोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन यह दिखाने में विफल रहा कि विचाराधीन कानून राष्ट्रपति को इलिनोइस में फेडरल कर्मियों और संपत्ति की रक्षा के लिए निहित अधिकार के प्रयोग में गार्ड को फेडरल बनाने की अनुमति देता है। इससे पहले, एक फेडरल जज ने भी ट्रंप को लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड की तैनाती खत्म करने का आदेश दिया था। हालांकि ट्रंप को कुछ झटके लगे हैं, लेकिन एक अमेरिकी अपील कोर्ट ने पिछले महीने फैसला सुनाया था कि वाशिंगटन, डीसी में नेशनल गार्ड की तैनाती अभी जारी रहेगी, जिससे निचली अदालत के उस फैसले पर रोक लग गई थी जिसमें इसे खत्म करने का आदेश दिया गया था।

# हादी हत्या मामला: में बांग्लादेश का झूठ बेनकाब, हत्या का आरोपी बोला- मैं दुबई में हूँ

बांग्लादेश में इस्लामवादी कट्टरपंथी और 'इंक़िलाब मंच' के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मामले में अब ऐसा मोड़ आ गया है, जिसने अंतरिम सरकार की विश्वसनीयता पर ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस आरोपी को ढाका लगातार भारत में छिपा हुआ बताकर आरोपों की झड़ी लगा रहा था, वही आरोपी अब सामने आकर न केवल हत्या से इंकार कर रहा है, बल्कि बांग्लादेश सरकार के दावों को सिरे से झूठा बता रहा है। हम आपको बता दें कि हादी हत्याकांड के प्रमुख संदिग्धों में शामिल फैसल करीम मसूद उर्फ दाऊद (37) ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा है कि वह भारत में नहीं, बल्कि दुबई में है। उसने यह भी साफ किया कि उसका हादी की हत्या से कोई लेना–देना नहीं है और यह पूरा मामला गढ़ी हुई साजिश का

हिस्सा है। मसूद ने दावा किया कि झूठे आरोपों और राजनीतिक दबाव के चलते उसे बांग्लादेश छोड़ना पड़ा और वह वैध मल्टी–एंट्री वीज़ा पर बड़ी मुश्किल से दुबई पहुंचा। हम आपको याद दिता दें कि 28 दिसंबर को ढाका ने दावा किया था कि हादी हत्याकांड के दो मुख्य आरोपी फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख देश से फरार होकर भारत के मेघालय राज्य में स्थानीय सहयोगियों की मदद से घुस गए हैं। इस बयान पर भारत की एजेंसियों ने कड़ा एतराज जताया था और इसे मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण करार दिया था। अब मसूद के वीडियो संदेश ने बांग्लादेश सरकार के उस दावे को लगभग ध्वस्त कर दिया है। मसूद ने स्वीकार किया कि वह गोलीकांड से पहले हादी के दफ्तर गया था, लेकिन उसने ज़ोर देकर कहा कि दोनों के बीच संबंध पूरी तरह पेशेवर थे। उसके अनुसार वह एक आईटी उद्यमी है और पहले वित्त मंत्रालय में काम कर चुका है। वह हादी से नौकरी के सिलसिले में मिलने गया था। मसूद का दावा है कि हादी ने नौकरी दिलाने का वादा किया था और उससे पांच लाख टका अग्रिम के रूप में लिए थे। इसके अलावा, उसने हादी के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए आर्थिक मदद भी की थी। सबसे अहम बात यह है कि मसूद ने हादी की हत्या के लिए जमाती तत्वों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि हादी स्वयं भी उसी वैचारिक धारा की उपज था। उसने आरोप लगाया कि उसके परिवार को झूठे मामले में फंसाकर प्रताड़ित किया जा रहा है। हम आपको बता दें कि यह वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार 30 दिनों के अल्टीमेटम के दबाव में है, जो हादी की मौत के एक दिन बाद इंक़िलाब मंच ने दिया था। इस बीच, बांग्लादेश में यह आरोप भी जोर पकड़ रहे हैं कि हादी की हत्या और उसके बाद भड़की हिंसा, जिसमें हिंदुओं पर हमले शामिल हैं, यह सब एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, जिसका मकसद फरवरी में होने वाले राष्ट्रीय चुनाव को प्रभावित करना था। हम आपको यह भी बता दें कि ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त एसएन मोहम्मद नज़रुल इस्लाम, जिन्होंने मसूद के भारत भागने का दावा किया था, वह अब तक चार्जशीट तक दाखिल नहीं कर पाए हैं। उनके बयान को मेघालय की डीजीपी इदाशिशा नोंगरांग ने बेबुनियाद बताया था जबकि भारत की सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भी साफ कहा था कि न तो सीमा पार करने की कोई घटना पकड़ी गई है और न ही ऐसी कोई रिपोर्ट मिली है। हम आपको याद दिला दें कि 12 दिसंबर को ढाका में सिर में गोली लगने के बाद 18 दिसंबर को हादी की मौत हो गई थी। वह 2024 के जुलाई विद्रोह का एक प्रमुख चेहरा था। उसकी मौत के बाद बांग्लादेश में हिंसा भड़क उठी थी जिसका खामियाजा एक बार फिर अल्पसंख्यक हिंदुओं को भुगतना पड़ा। देखा जाये तो यह मामला अब केवल एक हत्या की जांच तक सीमित नहीं रहा। यह बांग्लादेश की उस राजनीति और सोच का प्रतीक बन चुका है, जिसमें हर असफलता, हर साजिश और हर गड़बड़ी का ठीकरा भारत के सिर फोड़ देना सबसे आसान रास्ता माना जाता है। बिना किसी सबूत, बिना चार्जशीट और बिना ज़मीनी सच्चाई की जांच किए यह ऐलान कर देना कि आरोपी भारत भाग गया, केवल गैर–जिम्मेदाराना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित अंतरराष्ट्रीय बदनामी अभियान का हिस्सा लगता है। सवाल यह है कि जब खुद आरोपी सामने आकर कह रहा है कि वह दुबई में है, जब भारत की एजेंसियां और सीमा सुरक्षा बल साफ–साफ इस दावे को खारिज कर चुके हैं, तो बांग्लादेश सरकार किस आधार पर भारत का नाम घसीट रही थी? क्या यह अक्षमता छिपाने की कोशिश थी, या फिर देश के भीतर उबलते असंतोष से ध्यान भटकाने का हथकंड़ा था? साथ ही हादी की हत्या के बाद जिस तरह हिंसा फैली और हिंदुओं को निशाना बनाया गया, उसने बांग्लादेश की कानून–व्यवस्था और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए। लेकिन उन सवालों का जवाब देने की बजाय, सरकार ने एक पुराना और घिसा–पिटा नुस्खा अपनाया कि भारत को दोषी ठहराओ। देखा जाये तो यह वही पैटर्न है, जो बार–बार दोहराया जाता रहा है।

### भारत–इजरायल के कट्टर दुश्मन को ट्रंप यमा रहे खतरनाक एफ–35, भड़क गए नेतन्याहू

अमेरिका ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने तुर्की का नाम लेकर एक ऐसा बयान दे दिया जिसने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि ट्रंप आखिर क्या खेल खेल रहे हैं। फ्लोरिडा में नेतन्याहू के सामने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए ट्रंप ने अचानक तुर्की के राष्ट्रपति की तारीफ करना शुरू कर दी। इतना ही नहीं ट्रंप ने तुर्की को अपना अच्छा दोस्त भी बताया और यह तक कह दिया कि अमेरिका तुर्की को एफ 35 फाइटर जेट देने का गंभीरता से विचार कर रहा है। अब यह बयान इजराइल के लिए किसी झटके से कम नहीं था क्योंकि तुर्की और इजराइल के रिश्ते लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। सीरिया

गाज़ा और पूर्वी भूमध्य सागर में दोनों देशों के हित सीधे टकराते हुए नजर आए हैं और यह पूरी दुनिया ने देखा है। वहीं याद दिला दें कि 2019 में अमेरिका ने तुर्की को एफ 35 प्रोग्राम से बाहर कर दिया था। क्योंकि तब तुर्की ने रूस सें 400 मिसाइल सिस्टम खरीदा था। इससे अमेरिका भड़क गया था। लेकिन अब ट्रंप का यह यूटर्न कई बड़े सवाल खड़े कर रहा है। दरअसल एफ 35 दुनिया के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमानों में गिने जाते हैं। इजराइल का मानना है कि अगर तुर्की को यह विमान मिलते हैं तो क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बदल सकता है। खासतौर पर सीरिया जैसे संवेदनशील इलाकों में अगर तुर्की को यह विमान मिलता है तो वह पूरे क्षेत्र में सैन्य रूप से कहीं ज्यादा ताकतवर हो सकता है। इजराइल नहीं चाहता कि इस इलाके में कोई सैन्य बढ़त हासिल करें। इजराइल और तुर्की टकराव की असली जड़ क्या है? उस पर अब एक नजर डाल लेते हैं।

दरअसल इजराइल और तुर्की के बीच तनाव केवल हथियारों तक सीमित नहीं है। सीरिया, गाजा और पूरे पूर्वी भूमध्य सागर में दोनों देशों के हित टकराते हैं। 23 दिसंबर को ग्रीस, साइप्रस और इजराइल के त्रिपक्षीय सम्मेलन में नेतन याहू ने खुले तौर पर तुर्की को चेतावनी तक दे डाली थी।

इस बीच एक और बड़ा घटनाक्रम यह भी सामने आया कि इजराइल ने सोमा लीलैंड को मान्यता दे दी है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विवादित इलाका है।

आपको बता दें कि इस कदम के बाद तुर्की, पाकिस्तान और कई मुस्लिम देशों में नाराजगी देखने को मिली। क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि इजराइल का यह कदम लाल सागर में अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत करने का है और अफ्रीका में तुर्की के बढ़त प्रभाव को संतुलित करने का भी है। और वहीं आपको यह भी बता दें कि तुर्की का इस क्षेत्र में पहले से ही सैन्य और कूटनीतिक प्रभाव रहा है।

तुर्की यहां पर लगातार प्रयास कर रहा है कि वह अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाएं और इस पूरे इलाके में अपना प्रभाव जमाए। और अब जब इजराइल की एंट्री इसकी सीमाकरण में हुई है तो इसके बाद सब कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।